वित्तीय साक्षरता

प्रशिक्षण हेतु

प्रशिक्षकों के लिए निर्देशिका

GRAM SATHI

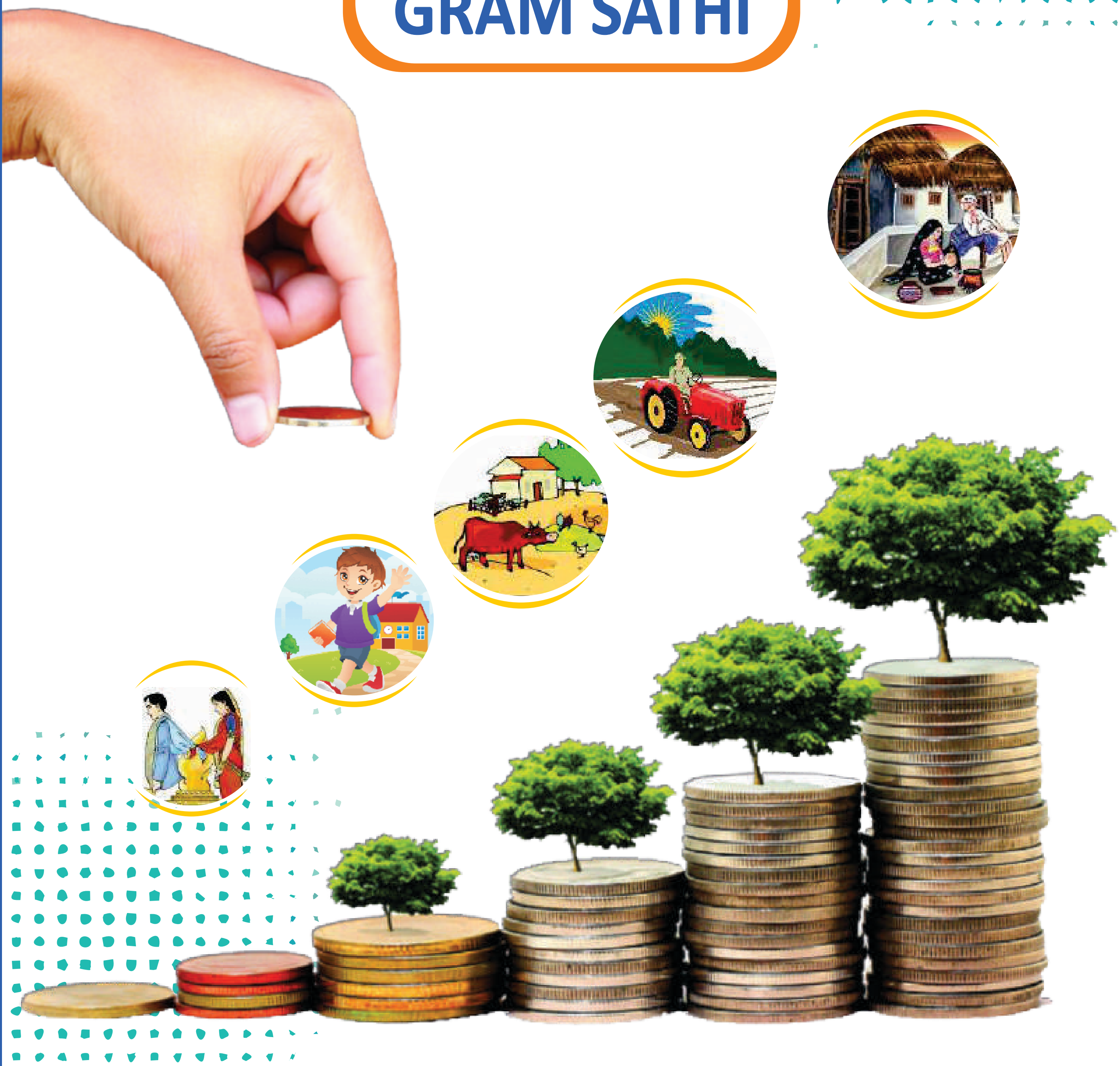

आय – बचत = व्यय

वित्तीय साक्षरता का पंचसूत्र

1) जीवन चक्र आवश्यकताओं के लिए वित्तीय नियोजन

2) बुद्धिमानी से व्यय

3) स्मार्ट बचत

4) परिपक्वतापूर्ण ऋण

5) बीमा एवं पेंशन

प्रत्येक व्यक्ति को अपने बेहतर आर्थिक सुधार और बेहतर जीवन गुणवत्ता के लिए इन पांचों सूत्रों को अपनाना और व्यवहार में लाना चाहिए।

वित्तीय साक्षरता प्रशिक्षण हेतु

प्रशिक्षकों के लिए निर्देशिका

भूमिका

वित्तीय साक्षरता आज के समय में ग्रामीण समाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण विषय है। बदलते सामाजिक और आर्थिक परिवेश में यदि ग्रामीण परिवारों को सुरक्षित और आत्मनिर्भर भविष्य की ओर बढ़ना है, तो उन्हें वित्तीय ज्ञान और कौशल से सुसज्जित होना आवश्यक है। 18 से 60 वर्ष की आयु वर्ग के सभी ग्रामीणकृचाहे वे महिला हों या पुरूषकृअपने जीवन की छोटी–बड़ी आवश्यकताओं को पूरा करने और परिवार के बेहतर भविष्य के लिए सही वित्तीय निर्णय लेने में सक्षम बनें, यही इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य है।

ग्राम साथी का मानना है कि वित्तीय साक्षरता केवल जानकारी प्राप्त करने की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह एक ऐसा माध्यम है जो व्यक्ति के सोचने और करने के तरीके में सकारात्मक बदलाव लाता है। यह बदलाव तभी संभव है जब प्रशिक्षण प्रतिभागियों की जिंदगी से जुड़ा हो, उनके वास्तविक अनुभवों और परिस्थितियों को समझते हुए दिया जाए। जब लोग अपनी दैनिक समस्याओं को वित्तीय दृष्टिकोण से हल करना सीखेंगे, तभी वे अपने जीवन की गुणवत्ता में सुधार ला सकेंगे।
इस प्रशिक्षण सामग्री और इन निर्देशों का उद्देश्य ब्ध्ब् प्रशिक्षकों को मार्गदर्शन देना है, ताकि वे प्रशिक्षण को अधिक प्रभावी, सरल और सहभागी बना सकें। प्रशिक्षक जब इन निर्देशों का पालन करेंगे तो सत्र केवल सूचना देने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह प्रतिभागियों को सोचने, प्रश्न पूछने और अपने जीवन में बदलाव लाने के लिए प्रेरित करेगा।

प्रशिक्षकों से अपेक्षाएँ:

- हर प्रशिक्षण सत्र को योजनाबद्ध और व्यवस्थित तरीके से संचालित करें।
- जटिल वित्तीय विषयों (जैसे बजट बनाना, बचत, निवेश, ऋण, बीमा आदि) को आसान भाषा और उदाहरणों के माध्यम से समझाएँ।

आत्मविश्वास, जिम्मेदारी और आत्मनिर्भरता की भावना भी जागृत करेंगे। यही प्रयास ग्रामीण समुदायों के आर्थिक सशक्तिकरण और सामाजिक विकास की ओर एक सार्थक कदम है।
देवनंद कुमार
संस्थापक एवं प्रबंध न्यासी
ग्राम साथी

देवनंद कुमार
संस्थापक एवं प्रबंध न्यासी
ग्राम साथी

वित्तीय नियोजन - I

पोस्टर–1 को प्रयोग करने के लिए निर्देश

I. उद्देश्यः

प्रतिभागियों को अनुभव कराना कि उनकी वित्तीय स्थिति में सुधार लाने के लिए वित्तीय नियोजन की आवश्यकता है।

II. चरणः

1. प्रतिभागियों का ध्यान "गरीबी चक्र" के पोस्टर की तरफ आकषित करें जिसे कक्षा में प्रदर्शित किया गया है।
2. चार्ट में प्रत्येक चित्र की ओर इशारा करते हुए एक–एक करके पूछें कि यह किस बारे में है।
3. पूछें कि वे कौन–कौन लोग हैं जिनके जीवन की स्थितियां समान हैं।
4. प्रायः बहुत से लोग बताएंगे कि वे उक्त परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं और वे प्रायः वित्तीय तंगी का सामना करते हैं।
5. वे अनुभव करते हैं कि सभी लोगों के सामने उनमें कोई एक या अधिक परिस्थितियां आती हैं और वे पैसे की कमी का सामना कर रहे हैं।
6. उनसे पूछें–इस चक्र से बाहर कैसे निकला जाए और कौन–कौन बाहर आने के लिए तैयार है?
7. उन लोगों की कहानियों/अनुभवों को साझा करें जिन्होंने ऋण लिए हैं लेकिन फिर भी वे इस चक्र से बाहर नहीं निकल पाए।
8. उन्हें बताएं कि यदि वे अपने दृष्टिकोण और वित्तीय व्यवहार को नहीं बदलते हैं तो कोई भी गरीबी के चक्र से बाहर आने में उनकी सहायता नहीं कर सकता।

III. परिणामः

प्रतिभागी स्वीकार करते हैं कि उनकी भी वही खराब वित्तीय स्थिति है और उन्हें अपनी सोच और वित्तीय व्यवहार को बदलने की जरूरत है।

मुख्य संदेश

1) भविष्य के लिए वित्तीय नियोजन को अपना कर केवल आप अपने जीवन को बदल सकते हैं।

2) वित्तीय नियोजन गरीबों के लिए अधिक आवश्यक है, क्योंकि उनके पास पैसा कम होता है और जरूरतें अधिक होती हैं।

वित्तीय नियोजन - I

पोस्टर 1

गरीबी का चक्र

बिना वित्तीय नियोजन के जीवन

वित्तीय नियोजन - II

पोस्टर - 2 का प्रयोग करने के लिए निर्देश

I. उद्देश्य:

खुद वित्तीय लक्ष्य निर्धारित करने और इसके लिए नियोजन/कार्य करने के लिए उन्हें अभिप्रेरित करना।

II. चरण:

1. एक व्यक्ति को स्वयं अपने लक्ष्य कैसे निर्धारित करने चाहिए इसका उदाहरण देने के लिए उन्हें पोस्टर–2 दिखाएं।
2. तीनों प्रकार के लक्ष्यों–अल्प अवधि, मध्यम अवधि और लम्बी अवधि के लक्ष्यों की प्रकृति एवं महत्व की व्याख्या करें।
3. उन्हें स्वयं के लिए लक्ष्य निर्धारित करने के लिए और आवश्यक राशि के अनुमान लगाने के लिए अभिप्रेरित करें।
4. उन्हें पोस्टर–2 दिखाएं और उन्हें कम से कम कुछ अल्प अवधि के/मध्यम अवधि के लक्ष्यों का निर्धारण करने और इसके लिए आवश्यक राशि का निर्धारण करने के लिए कहें।
5. उनसे पूछें कि इसे प्राप्त करने के लिए उन्हें प्रतिमाह/सप्ताह कितनी बचत करने की आवश्यकता है।
6. पोस्टर के निचले हिस्से में दिए गए चक्र के माध्यम से वित्तीय नियोजन समझाएं।
7. नियोजन उस समय शुरू होता है जब निम्न को प्राप्त करने का विचार आता है:
   1) जब एक नई सम्पत्ति खरीदने का विचार आता है
   2) इसकी क्या लागत होगी यह अनुमान लगाना
   3) वर्तमान में की गई कोई बचत है या नहीं
   4) कितनी राशि की व्यवस्था करनी है और उस राशि को इकट्ठा करने में कितने महीने लगेंगे

III. परिणाम:

अब उन्हें अपने लक्ष्य, प्रतिमाह/सप्ताह बचत करने की आवश्यकता और दैनिक आधार पर नियमित रूप से बचत करने की आवश्यकता का पता चल जाता है।

मुख्य संदेश

1) वित्तीय नियोजन में पहला कदम है लक्ष्य को निर्धारित करना और सोचना कि इसे कैसे प्राप्त करना है।
2) वित्तीय नियोजन के लिए लक्ष्य निर्धारित करने में परिवार के प्रत्येक सदस्य को शामिल करना।
3) लक्ष्यों के लिए बजट का अनुमान लगाना चाहिए और बचत/उधार का नियोजन करना चाहिए।
4) प्रत्येक को आय और वरीयताओं के अनुसार खर्च करने की योजना बनानी चाहिए।
5) अग्रिम योजना बनाकर, खर्च को कम किया जा सकता है और गरीब लोग भी कुछ बचत कर सकते हैं।
6) योजनाएं असफल हो सकती हैं, लेकिन हतोत्साहित न हों। दोबारा योजना बनाएं और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करें।

वित्तीय नियोजन - II

पोस्टर 2

भविष्य के लिए नियोजन
वित्तीय लक्ष्यों का निर्धारण

लक्ष्य		आवश्यक राशि
I. अल्प अवधि का लक्ष्य कर्ज का भुगतान		रु. 25,000
II. मध्यम अवधि का लक्ष्य एक उत्पादक सम्पत्ति खरीदना-एक गाय	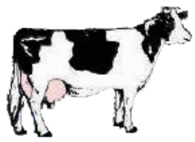	रु. 25,000
III. लम्बी अवधि का लक्ष्य		
बच्चों को उच्च शिक्षा दिलवाना (10 वर्ष के बाद)		रु. 50,000
बेटी की शादी (15 वर्ष बाद)		रु. 1,00,000
लम्बी अवधि के लिए आवश्यक कुल राशि		रु. **1,50,000**

इसे प्राप्त करने के लिए योजना बनाना

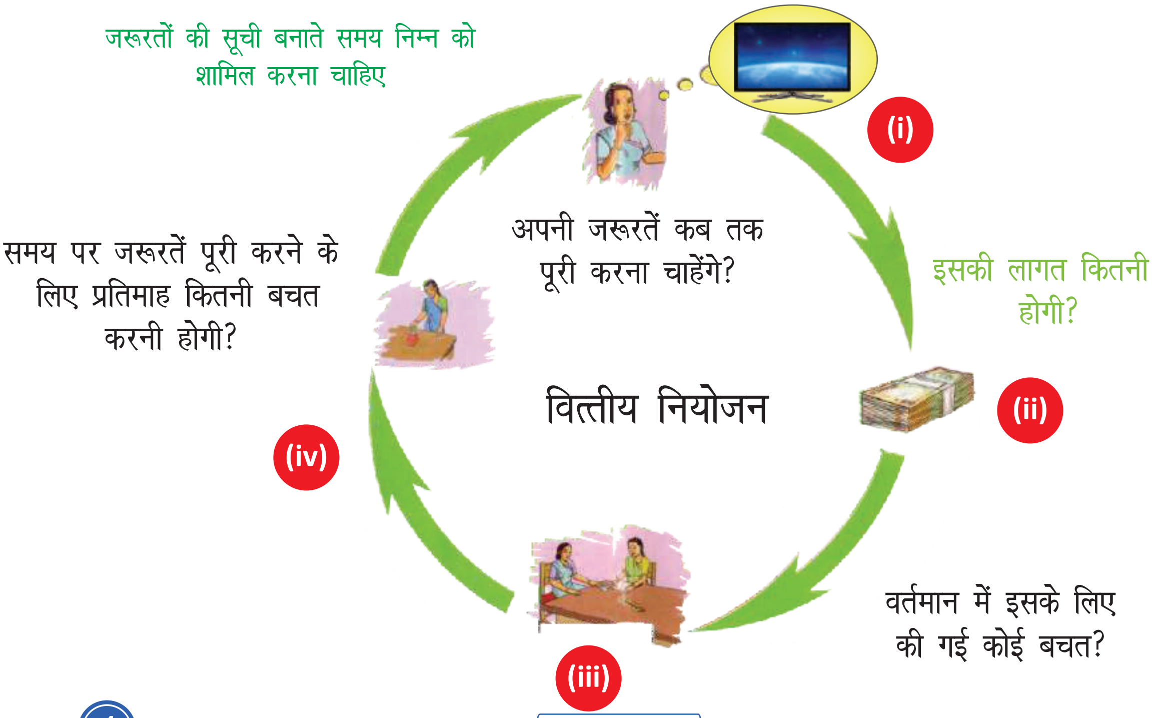

वित्तीय नियोजन - III

वित्तीय नियोजन के लिए निर्देश
अपने खर्च की योजना बनाएं

I. उद्देश्य:

खर्च करने के अपने वर्तमान पैटर्न की स्वयं समीक्षा।

आवश्यक सामग्री: वर्कशीट की प्रिंट की हुई कॉपी और पोस्टर–अपने खर्च की योजना बनाएं

II. चरण:

1. लोग महसूस करते हैं और बताते हैं कि वे बचत नहीं कर रहे हैं क्योंकि उनकी आय कम है। प्रशिक्षुओं से पूछें कि क्या उन्होंने देखा है कि वे कैसे खर्च कर रहे हैं और किस लिए।
2. उन्हें वर्कशीट दिखाएं और उनसे पूछें कि वे 5000/8000 स्तर की नियमित माासिक वाले विभिन्न लोगों के लिए पोस्टर में दिखाए गए प्रत्येक आइटम के लिए हर महिने कितना खर्च करते हैं।
3. तीन प्रतिभागियों को चुनें। उन्हें वर्कशीट की एक कॉपी दें और उन्हें कॉलम 4 में उनके वर्तमान खर्च को और कॉलम 6 में प्रस्तावित खर्च को भरने के लिए कहें।
4. अभ्यास करने के बाद सभी तीनों प्रतिभागियों से पूछें कि क्या उन्होंने कोई पैसा बचाया है। एक व्यक्ति उत्तर दे सकता है कि कोई बचत नहीं है। दूसरा व्यक्ति उत्तर दे सकता है कि कुछ राशि बच जाती है। बचत करने वाले व्यक्ति से पूछें कि उसने बचत कैसे की।
5. समय समय पर उनके खर्च के पैटर्न के महत्व की व्याख्या करें (मुख्य रूप से मासिक)। जोर देकर कहें कि यद्यपि दो परिवारों का आकार और पृष्ठभूमि समान है, लेकिन उनके खर्च करने का पैटर्न अलग अलग है। एक परिवार कुछ नियोजन के साथ हमेशा बचत करता है, जबकि दूसरा परिवार योजना के अभाव में कुछ नहीं बचा पाता है।

III. परिणाम:

प्रतिभागियों को पता चलता है कि उनके वर्तमान व्यय की समीक्षा कैसे करें। वे यह भी जान जाते हैं कि वे बचत नहीं कर पाते और यदि उचित योजना बनाई जाए तो वे उनकी मासिक आय से बचत कर सकते हैं।

मुख्य संदेश

1) जरूरतों, आवश्यकताओं और बुराइयों की पहचान करने के लिए वर्तमान खर्च पैटर्न की समीक्षा करें।
2) उचित एवं सावधानीपूर्वक की गई योजना और खर्च कुछ बचत करने में सहायता करते हैं।
3) एक बार खर्च किया समय और पैसा हमेशा के लिए चला जाता है। यह कभी वापिस नहीं आता। इसलिए, खर्च करने से पहले सोचें।

वित्तीय नियोजन – III

वित्तीय नियोजन अभ्यास

अपने खर्च की योजना बनाएं - पोस्टर - 3

राशि रुपये में

1	2	3	4	5	6
क्रम संख्या	विवरण	चित्र	वर्तमान खर्च की राशि	वर्गीकरण जरूरत/आवश्यकता/मूर्खता	प्रस्तावित खर्च राशि
1.	मासिक आय				
2.	भोजन				
3.	चाय/कॉफी				
4.	शराब, जूआ, सिगरेट, पान				
5.	कपड़े				
6.	घर की मरम्मत				
7.	गहनों की खरीद/ज्वैलरी				
8.	त्यौहार				
9.	स्कूल की फीस और किताबें				
10.	सामाजिक अवसरों पर उपहार देना				
11.	तीर्थ यात्रा/यात्रा				
12.	बीमारी/दवाई				
13.	**कुल खर्च (2 से 12)**				
14.	बचत/घाटा (1–13)				
15.	टिप्पणियां/क्या पर्याप्त है				

बुद्धिमानीपूर्ण खर्च - I

पोस्टर–4 का प्रयोग करने के लिए निर्देश

I. उद्देश्य:

प्रतिभागियों को बताना कि उनका पैसा किस प्रकार आवश्यक और गैर आवश्यक खर्च के लिए जा रहा है जिसके परिणामस्वरूप वे बचा नहीं पाते।

II. चरण:

1. चित्र (4 क) दिखाएं और व्याख्या करें कि उनका पैसा आवश्यक और गैर आवश्यक दोनों कामों के लिए खर्च हो रहा है।
2. उन्हें जरूरतों, इच्छाओं और बुराइयें के बीच अंतर समझाएं। उन्हें अंतर की पहचान करना बताएं।
3. चित्र (4 ख) दिखाएं और पूछें कि परिवार का मुखिया परिवार के सदस्यों से इंतजार करने के लिए कैसे कहता है जब सदस्य खर्च के बारे में सोच रहे हों।
   "खर्च से पहले दो बार सोचें"
4. उन्हें चित्र (4 ग) दिखाएं ताकि आय और खर्च के बीच संतुलन करने की आवश्यकता को जान सकें। उन्हें अपने अनुभव बताने के लिए कहें कि किस प्रकार बिना सोचे समझे किए जाने वाले खर्च ने उन्हें समस्या में डाला।

III. परिणाम:

प्रतिभागी खर्च करने से पहले अच्छी तरह सोचने की आवश्यकता को समझ पाते हैं।

मुख्य संदेश

1) खर्च को व्यापक रूप से जरूरतों, इच्छाओं और बुराइयें के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है।
2) लोगों को व्यय को उनकी वरीयताओं के अनुसार इन श्रेणियों में विभाजित करने की जरूरत है।
3) परिवार के सदस्यों को वित्तीय मामलों की अनिवार्यता और वरीयता के संबंध में चर्चा करने चाहिए।
4) आज बचाया हुआ पैसा कल आपकी सहायता करेगा।

बुद्धिमतापूर्ण खर्च - I

पोस्टर 4

बुद्धिमानी से खर्च

(क)

खर्च करने से पहले दो बार सोचें

(ख)

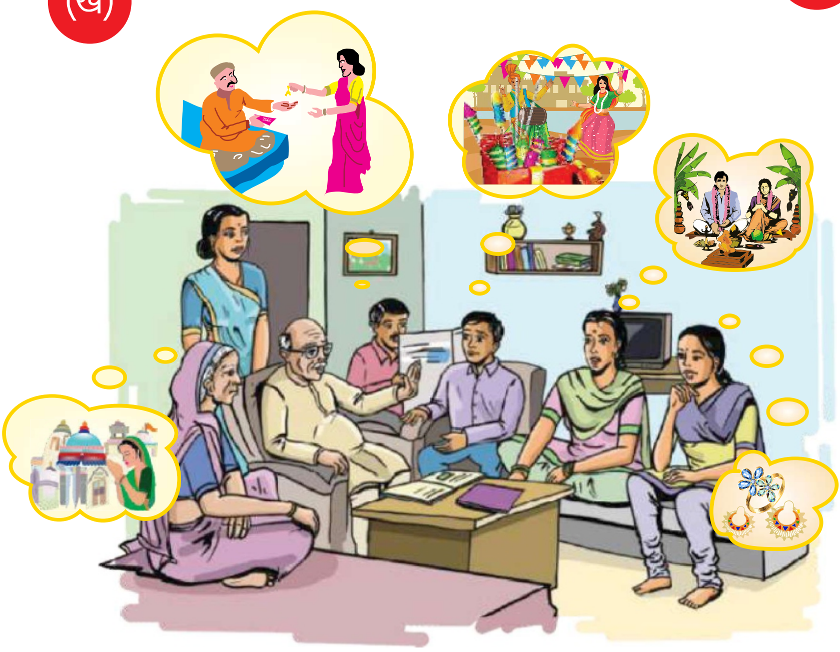

आपनी आय से अधिक खर्च न करें

(ग)

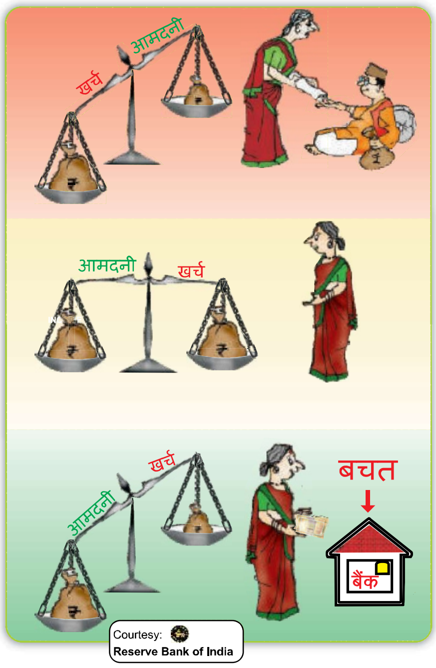

बुद्धिमतापूर्ण खर्च - II

पोस्टर - 5 को प्रयोग करने के लिए निर्देश

I. उद्देश्य:

जरूरतों, इच्छाओं और बुराइयें के लिए खर्च में अंतर कर पाने के योग्य बनाना।

II. चरण:

1. उन्हें चित्र (क)–ट्रैफिक सिगनल दिखाएं, उन्हें खर्च करते समय सिगनल पोस्ट को याद करने के लिए कहें।
2. उन्हें एक बार फिर से उसी प्रारूप में पोस्टर–3 में दिए गए योजना के अभ्यास को करने के लिए कहें, और साथ ही चित्र (क) में दिए गए विचार को अपनाने के लिए कहें। उन्हें रिवाइज की गई राशि को वर्कशीट के प्रस्तावित कॉलम (6) के अंतर्गत रखने के लिए कहें।
3. उनसे इस बारे में फीडबैक लें कि बुद्धिमतापूर्ण खर्च के कारण कैसे बचत हुई, उन्हें चित्र (ख) दिखाएं और समझाएं कि "आप जितना कम खर्च करेंगे उतनी ही बचत करेंगे"।

III. परिणाम:

प्रतिभागियों को पता चलता है कि खर्च पर नियंत्रण के कारण बचत होती है। वे यह भी समझते हैं कि उसी आय से एक व्यक्ति निम्न के द्वारा अधिक बचत कर सकता है:

1. बुराइयें पर खर्च से बचना
2. इच्छाओं पर खर्च को कम करना

मुख्य संदेश

1) जब भी आप खर्च करते हैं, ट्रैफिक सिगनल वाले चित्र को याद करके खर्च को नियंत्रित करना सीखें।
2) अपनी स्वयं की बचत को बढाने के साथ व्यक्ति बिना उधार लिए अपने आकस्मिक खर्चों को पूरा कर सकता है।
3) इच्छाओं और बुराइयें पर प्रतिबंध लगाकर बचत की जा सकती है।
4) खर्च करने से पहले अच्छी तरह से सोचें और खर्चों को कम करें और अपनी आय के अंदर व्यवस्थित करें।

बुद्धिमतापूर्ण खर्च - II

पोस्टर 5

जरूरतों, इच्छाओं और बुराइयों के लिए खर्च

Courtesy: Reserve Bank of India

(क)

खर्च करने से पहले दो बार सोचें

(ख)

आप जितना कम खर्च करेंगे उतना ही अधिक बचाएंगे

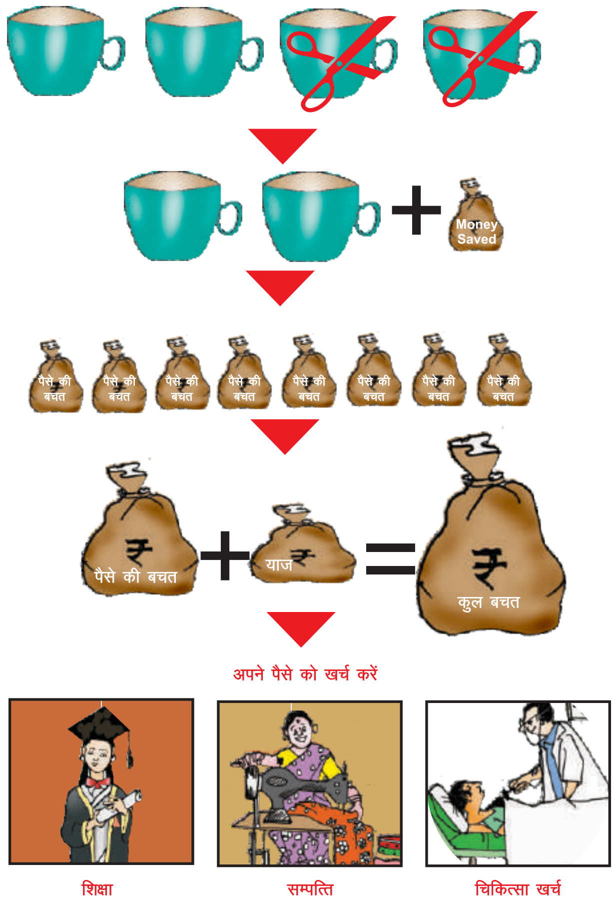

Courtesy: Reserve Bank of India

पोस्टर–6 को प्रयोग करने और कंचों का खेल खेलने के लिए निर्देश

I. उद्देश्य:

बचत के इन सिद्धांतों को समझाना– "जितना जल्दी उतना बेहतर", "कभी न करने से देरी से करना अच्छा है", "कोई धनराशि छोटी नहीं होती", "नियमित बचत भारी बचत से अधिक महत्वपूर्ण होती है"

विधि: कंचों का खेल–आवश्यक आइटम: 100 कंचे / कंकड़ और 4 प्लास्टिक की पारदर्शी बोतलें

II. चरण:

1. 3 प्रतिभागियों को खेल में भाग लेने के लिए कहें। उन्हें एक समय पर एक स्थान से कंचे उठानें और उन्हें दूसरे सिरे पर बॉक्स में रखने के लिए कहें।
2. प्रतिभागी ए को सबसे पहले शुरू करने के लिए कहें, जैसे सांय 3 बजे
   प्रतिभागी बी को इसके बाद 3.05 बजे शुरू करने के लिए कहें
   प्रतिभागी सी को सांय 3.07 बजे शुरू करने के लिए कहें
3. सांय 3:10 बजे खेल को बंद करें। खेल के अंत में प्रतिभागियों को कंचे गिनने के लिए कहें।
4. 'ए' के पास सबसे अधिक कंचे हैं और उसके बाद 'बी' और उसके बाद 'सी' का नम्बर आता है।
5. शेष प्रतिभागियों से ए की सफलता का कारण पूछें, वे कहेंगे कि ए ने पहले शुरू किया था। बचत में "जितना जल्दी, उतना बेहतर" सिद्धांत को समझाएं। एक व्यक्ति जो युवा अवस्था में जल्दी बचत शुरू करता है वह अधिक बचत कर सकता है, चाहे वह कम मात्रा में नियमित रूप से बचत करता हो। उन्हें समझाएं कि बचत करना शुरू करने के लिए 'कोई भी राशि छोटी नहीं होती'।
6. 3 अलग - अलग प्रतिभागियों के साथ फिर से खेल खेलें। उन्हें कंचे उठाने के लिए कहें, लेकिन वे खेल से बाहर हो जाएंगे यदि वे कंचों को गिरा देते हैं। अंत में शुरू करने वाला व्यक्ति एक समय पर अधिक कंचे उठाने की कोशिश करेगा। 'कभी नहीं से देरी करना' सिद्धांत समझाएं, लेकिन जो व्यक्ति देरी से शुरू करता है उसे अधिक राशि की बचत करनी पड़ती है।
7. पोस्टर 4 कछुआ और खरगोश दिखाएं। उनसे पूछें कि किस प्रकार कछुआ धीरे धीरे चल कर दौड़ जीता। लोग उत्तर देंगे कि कछुआ बिना किसी आराम के चलता रहा जबकि खरगोश ने आराम कर लिया। प्रतिभागियों को स्पष्ट करें कि बचत करने के लिए कोई भी राशि छोटी नहीं है, यदि वे बिना रुके अपने वित्तीय लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए नियमित बचत करते हैं।

III. परिणाम:

प्रतिभागी नियमित बचत के सिद्धांतों को समझते हैं।

मुख्य संदेश

1) नियमित बचत की आदत को एक अच्छी आदत के रूप में विकसित करना चाहिए।
2) शुरू करने के लिए कोई भी राशि छोटी नहीं है लेकिन राशि को बढाने का प्रयास करें।
3) बचाया हुआ एक रुपया कमाए हुए एक रुपये के बराबर है।

पोस्टर 6

अधिक बचाने के लिए जल्दी शुरू करें

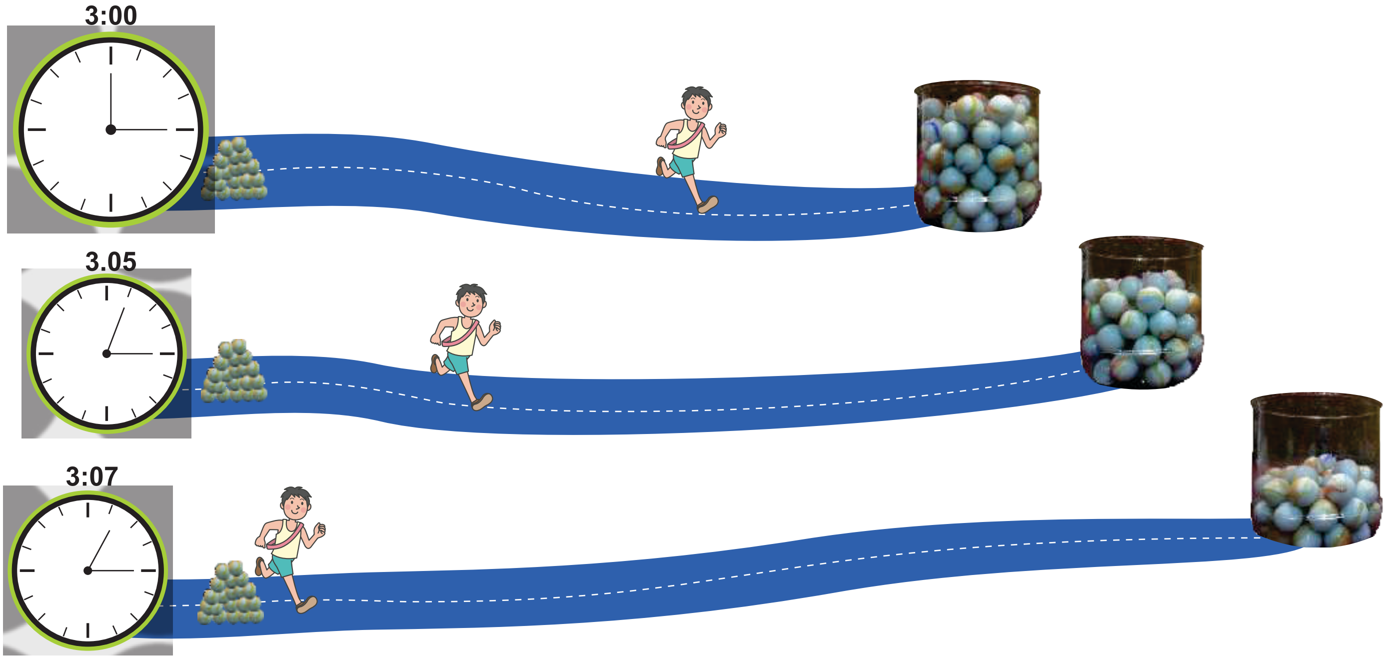

स्मार्ट बचत – II

पोस्टर–7 को प्रयोग करने के लिए दिशा निर्देश

I. उद्देश्य:

1. अनौपचारिक तरीकों से बचत के जोखिमों के बारे में शिक्षित करना
2. मूलधन और ब्याज दोनों चले जाने से सुरक्षा करना
3. वित्तीय जालसाजी और गलत प्रयोग से सुरक्षा करना

II. चरण:

1. चित्र (क) दिखाएं और उन्हें घर में, दोस्त के पास, निजी एवं चिट फंड आदि में रखे पैसे के अनुभवों को सांझा करने के लिए कहें।
2. उनके अनुभव के आधार पर विभिन्न स्थानों पर रखे उनके पैसे को जोखिमों/खो जाने की संभावनाओं की सूची बनाएं और चर्चा करें।
3. उन्हें चित्र (ख) दिखाएं जिसमें दर्शाया गया है कि स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों ने बचत करना शुरू की है।

विवरण	सुरक्षा	आवश्यकता के अनुसार उपलब्धता	आय	ब्याज की दर	लेनदेन का रिकॉर्ड या प्रमाण	ऋण प्राप्त करने का अवसर
घर के अंदर (बॉक्स/संदूक)	नहीं	हां	शून्य	शून्य	शून्य	नहीं
एक दोस्त के पास	नहीं	नहीं	नहीं	शून्य	नहीं	नहीं
शाहुकार के पास	नहीं	नहीं	नहीं	कम	नहीं	उच्च लागत पर
सम्पत्ति खरीदना	हां	नहीं	हो सकता है	लागू नहीं है	हां	कम
सोना या चांदी खरीदना	हां	नहीं	हो सकता है	लागू नहीं है	शून्य	हां
चिट फंड	नहीं	नहीं	कम	उच्च	नहीं	हां अधिक लागत पर
स्वयं सहायता समूह	हां	हां	हां	हां	हां	हां
डाक घर	हां	हां	हां	अवधि के अनुसार	हां	कृ
बैंक	हां	हां	हां	4% बचत खाता एफडी–अवधि के अनुसार भिन्न भिन्न	हां	हां

III. परिणाम:

लोगों को पता चलता है कि स्वयं सहायता समूह और बैंक में पैसा रखना अपनी बचत को निवेश करने का सबसे अच्छा तरीका है।

मुख्य संदेश

1) बचत को बैंकों/स्वयं सहायता समूहों में सुरक्षित रखना चाहिए।
2) इसे आय के बड़े-बड़े वादे करने वाले लोगों या प्राइवेट संस्थाओं में नहीं रखा जाना चाहिए।

पोस्टर 7

बचत सुरक्षित होनी चाहिए

(क)

Courtesy: Reserve Bank of India

अपनी मेहनत की कमाई को खोएं नहीं
हमेशा बैंक खाते में रखें

(ख)

स्वयं सहायता समूह और
बैंक में बचत करें

साधारण और चक्रवृद्धि ब्याज की गणना समझाना

I. उद्देश्यः

चक्रवृद्धि ब्याज की शक्ति को समझाना। न केवल मूलधन पर ब्याज प्राप्त होता है बल्कि कमाया गया ब्याज और पुनःनिवेश किया पैसा भी आगे ब्याज कमाता है।

II. चरणः

पोस्टर के अनुसार प्रशिक्षुओं को गणना करने की विधि की व्याख्या करें
एक व्यक्ति जो 1000 रुपये निवेश करता है उसे 2000 रुपये मिलते हैं (साधारण ब्याज के अंतर्गत 10 वर्ष की अवधि के बाद 1000 मूलधन + 1000 ब्याज)।
दूसरा व्यक्ति जो चक्रवृद्धि ब्याज के अंतर्गत 1000 रुपये का निवेश करता है उसे 2593.74 रुपये (1000 रु. मूलधन + 1593.74 रु. ब्याज) प्राप्त होते हैं जो 10 वर्ष के बाद प्राप्त होने वाली राशि से अधिक है।
समझाएं कि पैसा किस प्रकार तेजी से बढता है यदि ब्याज निकाला न जाए और उसे पुनः मूलधन के साथ निवेश कर दिया जाए।

III. परिणामः

लोग साधारण और चक्रवृद्धि ब्याज के बीच अंतर को समझते हैं।

मुख्य संदेश

अपने पैसे से और अधिक कमाने के लिए चक्रवृद्धि ब्याज का विकल्प चुनें।

बचत पर और अधिक आय होनी चाहिए

जमाओं पर साधारण और चक्रवृद्धि ब्याज

राशि रुपये में

ब्याज चार्ट	व्यक्ति क			व्यक्ति ख		
समय	मूलधन	साधारण ब्याज	कुल	मूलधन	चक्रवृद्धि ब्याज	कुल
1 वर्ष के अंत में	1000	100	1100	1000	100	1100
2 वर्ष के अंत में	1000	100	1200	1100	110	1210
3 वर्ष के अंत में	1000	100	1300	1210	121	1331
4 वर्ष के अंत में	1000	100	1400	1331	133	1464.10
5 वर्ष के अंत में	1000	100	1500	1464.10	146.41	1610.51
6 वर्ष के अंत में	1000	100	1600	1610.51	161.05	1771.56
7 वर्ष के अंत में	1000	100	1700	1771.56	177.16	1948.72
8 वर्ष के अंत में	1000	100	1800	1948.72	194.87	2143.59
9 वर्ष के अंत में	1000	100	1900	2143.59	214.36	2357.95
10 वर्ष के अंत में	1000	100	2000	2357.95	235.79	2593.74
10 वर्ष के अंत में कुल प्राप्ति			2000			2593.74
अंतर						593.74

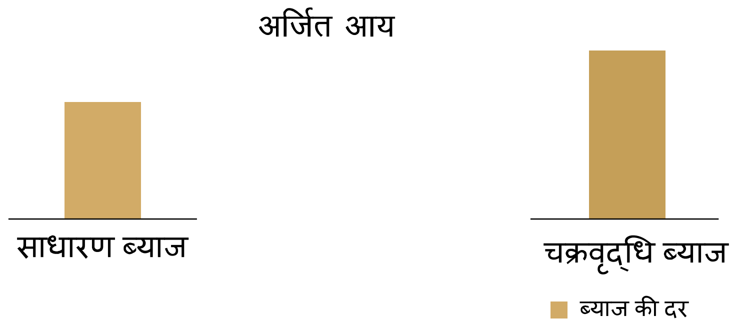

समझदारी से उधार लेना - I

पोस्टर–8 प्रयोग करने के लिए निर्देश

I. उद्देश्य:

उत्पादक और अनुत्पादक ऋण के बीच अंतर की पहचान करने में सहायता करना।

II. चरण:

1. उन्हें पोस्टर 8 दिखाएं और पूछें कि उत्पादक और अनुत्पादक ऋण से वे क्या समझते हैं। भुगतान के दौरान दोनों चित्रों में महिलाओं की स्थिति की व्याख्या करें।
2. कुछ उदाहरण देने के लिए कहें।
3. उदाहरण देते हुए व्याख्या करें
4. परिस्थिति 1 और 2 में प्रवाह की व्याख्या करने के लिए कहें
5. अंत में लिखने के लिए संदेश को चुनें
6. परिस्थिति 1 में उसके पास अतिरिक्त आय होगी, जिसका एक हिस्सा ऋण का भुगतान करने के लिए किया जाएगा।
7. परिस्थिति 2 में उसके पास ऋण की किस्त चुकाने के लिए अतिरिक्त आय नहीं होगी। वह या तो सम्पत्ति को बेचेगी या किसी और से कर्ज लेगी ताकि ऋण चुकाया जा सके।

III. परिणाम:

वे उत्पादक और अनुत्पादक उद्देश्यों के लिए ऋणों के बीच अंतर कर पाएंगे। परिणामस्वरूप प्रतिभागी महिलाएं अनुत्पादक उद्देश्यों के लिए ऋण लेने से बचेंगी।

मुख्य संदेश

1) हमेशा केवल उत्पादक कार्यों के लिए ही उधार लें
2) उत्पादक उद्देश्यों के लिए उधार के परिणामस्वरूप और अधिक सम्पत्तियां खरीदी जाती हैं और अधिक आय पैदा होती है और इसके अलावा ऋण के भुगतान के बाद अधिक बचत होती है।
3) अनुत्पादक उद्देश्यों के लिए लिये गए उधार के कारण आय, सम्पत्तियों की हानि होती है और आप कर्ज के जाल में फंस जाएंगे।

समझदारी से लिया गया उधार - I

पोस्टर 8

उधार लेने का उद्देश्य

परिस्थिति I	परिस्थिति II
उत्पादक	अनुत्पादक
उत्पादक उद्देश्यों के लिए ऋण	अनुत्पादक उद्देश्यों के लिए ऋण
धन कमाएं	ब्याज दें
ऋण का भुगतान करें	ऋण का भुगतान करने में असक्षम
बचत करना शुरू करें	और अधिक उधार
बचत का निवेश करें	सम्पत्तियों को बेंचना
और अधिक कमाएं	ऋण के जाल में फंसना

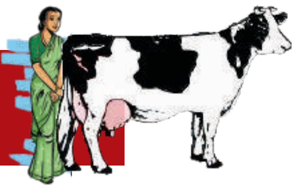
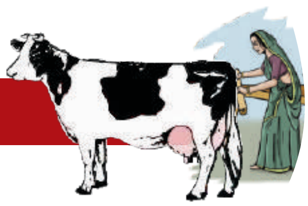

समझदारी से उधार लेना - II

पोस्टर–9 का प्रयोग करने के लिए निर्देश

I. उद्देश्य:

प्राइवेट साहूकारों और बैंकों के बीच ऋण पर ब्याज की दरों में अंतर के बारे में जागरुक बनाना

II. चरण:

1. पोस्टर 9 को दिखाएं और पूछें कि प्राइवेट साहूकारों और स्वयं सहायता समूहों/बैंकों से उधार लेने का उनका क्या अनुभव है।
2. उनसे पूछें कि जब वे खरीदारी के लिए जाते हैं तो क्या वे वस्तु की कीमत को देखते हैं या नहीं? क्या वे यही काम उधार लेते समय करते हैं। समझाएं कि ब्याज की दर उधार की कीमत को निर्धारित करती है।
3. प्राइवेट साहूकार/गिरवी रख कर पैसा उधार देने वाले साहूकार द्वारा निर्धारित मासिक ब्याज और बैंक द्वारा निर्धारित वार्षिक ब्याज में अंतर को समझाएं।
4. समझाएं कि कैसे साहूकार ऋण की राशि में पहले महिने/पहले 3 महिने का ब्याज अग्रिम काट लेते हैं उधार की राशि को कम कर देते हैं और ब्याज की दर को बढा देते हैं।

III. परिणाम:

उन्हें प्राइवेट साहूकारों की बुराई और स्वयं सहायता समूहों/बैंकों की अच्छाई के बारे में ज्ञान हो जाता है।

मुख्य संदेश

1) स्वयं सहायता समूहों या ग्रामीण गरीब लोगों को साहूकारों से उधार नहीं लेना चाहिए क्योंकि वे अधिक दरों पर ब्याज लगाते हैं, फ्लैट दर, अस्पष्ट शर्तों पर उधार देते हैं और अंत में कर्ज के जाल में फंसा लेते हैं।
2) बैंक पारदर्शी शर्तों, कम ब्याज दरों, कम होती हुई दरों पर उधार देते हैं और सम्पत्ति और कल्याण को बढावा देते हैं।

समझदारी से उधार लेना - II

पोस्टर 9

गलत उधार बनाम बुद्धिमतापूर्ण उधार

साहुकार	बैंक

कोई लिखित करार नहीं

लिखित करार के साथ

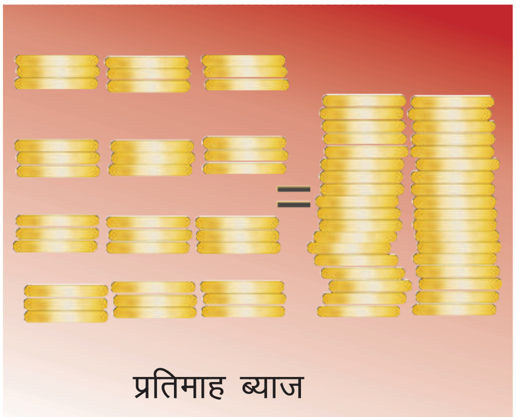

प्रतिमाह ब्याज

प्रतिवर्ष ब्याज

सम्पत्तियां खो जाती हैं

सम्पत्तियां प्राप्त होती हैं

Courtesy: Reserve Bank of India

समझदारी से उधार लेना - III

पोस्टर–10 को प्रयोग करने के निर्देश

I. उद्देश्यः

उन्हें दिखाना कि कैसे गैर जिम्मेदारी से लिया गया कर्ज एक व्यक्ति को बर्बाद करता है

II. चरणः

1. उन्हें पोस्टर दिखाएं और भारी कर्ज के बोझ से दबे व्यक्ति की स्थिति के बारे में पूछें।
2. प्रतिभागियों से पूछें कि वे गांव में कहां से कर्ज लेते हैं।
3. जब वे ऋण लेते हैं उस समय उन्हें क्या समस्याएं आती हैं
4. उनकी प्रतिक्रियाओं की चर्चा करें और व्याख्या करें कि किस प्रकार कर्ज का बोझ एक व्यक्ति को शारीरिक रूप से और मानसिक रूप से बर्बाद कर देता है।

III. परिणामः

उन्हें विभिन्न स्रोतों से लिए गए विभिन्न ऋणों के कारण आने वाली समस्याओं का ज्ञान होता है।

कर्ज के बोझ ने बेघर किया

सीता अपने पति राम के साथ एक बहुत ही आरामदायक जीवन बिता रही थी जो दिल्ली में नौकरी करता था और हर महिने घर पर 5000/– रुपये भेजता था। वह अच्छी तरह से अपने पुराने घर के ऋण की किस्त चुका रही थी, घर के सभी खर्च पूरा कर रही थी और प्रतिमाह आवर्ति जमा खाते में 1000/– रुपये की बचत भी कर रही थी।

तब उसके पड़ोसियों ने उसको भड़काना शुरू किया, दिखावा करने के लिए उकसाया–जैसे उनका घर पुराने प्रकार है और उनकी प्रतिष्ठा और गौरव के अनुकूल नहीं है। उसने एक साहुकार से ऋण लेकर घर को बड़ा करने का निर्णय लिया।

इसी बीच अचानक दिल की बीमारी के कारण राम को नौकरी छोड़कर घर आना पड़ा। कर्ज बढ गया, साहुकार ने सीता और राम को उनका घर और सम्पत्ति बेच कर उसका कर्ज लौटाने के लिए डराया। परिवार का न केवल बड़ा घर खो गया, बल्कि पैतृक जमीन का छोटा सा टुकड़ा भी उन्हें बेचना पड़ा और एक छोटे से किराए के घर में रहना पड़ा।

यह केवल सीता की कहानी नहीं है बल्कि हमारे गांवों में ऐसे बहुत से परिवार हैं।

कृपया उधार लेते समय सावधान रहें

मुख्य संदेश

1) अनावश्यक उधार से बचना चाहिए और व्यक्ति को स्वयं को कर्ज के जाल में नहीं फंसाना चाहिए।
2) शाहुकारों से उधार लेने से बचें, और/या उच्च ब्याज दर पर उधार न लें।
3) विभिन्न एजेंसियों और विभिन्न उद्देश्यों के लिए उधार लेने से बचना चाहिए।

पोस्टर 10

कर्ज का बोझ

अपने ऋण को व्यवस्थित करें अन्यथा
कर्ज आपको बर्बाद कर देगा

Courtesy:
Reserve Bank of India

परिपक्वता/समझदारी से उधार लेना - IV

पोस्टर - 11 को प्रयोग करने के लिए निर्देश

अच्छा उधार–कहां से उधार लें

I. उद्देश्य:

स्पष्ट करना कि स्वयं सहायता समूहों या बैंक से उधार लेना उधार की सबसे अच्छी विधि है।

II. चरण:

पोस्टर 11 दिखाएं और उन्हें समझाएं

1. साहूकारों, गिरवी रखकर उधार देने वालों से उधार लेने के परिणामस्वरूप
   - ब्याज की उच्च दर होती हे
   - भारी बोझ और कर्ज का जाल
   - सम्पत्ति/प्रोपर्टी का नुकसान
   - इज्जत या सम्मान का नुकसान
   - समाज में प्रतिष्ठा का नुकसान

2. स्वयं सहायता समूह या बैंक से उधार लेने के परिणाम:
   - उचित एवं कम ब्याज दर
   - उचित दस्तावेज
   - सम्पत्तियों का निर्माण
   - अतिरिक्त आय
   - ऋण/पुनर्भुगतान के लिए निर्देश और सहायता
   - वित्तीय सुधार
   - सामाजिक प्रतिष्ठता या समाज में इमेज को बढावा

III. परिणाम:

प्रतिभागियों को एहसास होता है कि उन्हें स्वयं सहायता समूहों/बैंकों से ऋण लेना चाहिए और साहूकारों से बचना चाहिए।

मुख्य संदेश

1) स्वयं सहायता समूह के सदस्यों को केवल बैंकों या स्वयं सहायता समूह से उधार लेना चाहिए। प्राइवेट स्रोतों का प्रयोग नहीं करना चाहिए।
2) प्राइवेट स्रोतों पर अधिक ब्याज लगता है और नियम एवं शर्तें स्पष्ट नहीं होती।
3) प्राइवेट स्रोत शोषण करने वाले होते हैं और वे आपकी सम्पत्तियों को हथियाने का उद्देश्य रखते हैं।

समझदारी से उधार लेना - IV

पोस्टर 11

कहां से उधार लें

परिपक्वता/समझदारी से उधार लेना - V

अपने ऋण की लागत को जानें

ऋणों पर ब्याज

फ्लैट और कम होता हुआ ब्याज विधियां

I. उद्देश्यः

प्रतिभागियों से विभिन्न तरीकों से ऋणदाता द्वारा लिए जाने वाले ब्याज की गणना करने का अभ्यास करवाना और उन्हें कम होती हुई ब्याज की दर और ब्याज की फ्लैट दर को समझाना।

II. चरणः

निम्न उदाहरण देकर उदाहरण शीट की व्याख्या करें:

एक व्यक्ति 10 प्रतिशत वार्षिक दर पर 5 वर्ष के लिए 10000 रुपये उधार लेता है। मूलधन में से 2000/– रुपये प्रतिवर्ष लौटाने हैं।

1. ऋणदाता फ्लैट दर पर ब्याज लेता है। अर्थात प्रतिवर्ष 1000 रुपये ब्याज होगा और कुल ब्याज 5000 रुपये होगा। उसे कुल 10,000 + 5000 = 15,000 रुपये लौटाने होंगे।
2. इसी राशि को कम होते हुए शेष विधि पर भी लिया जा सकता है। इसलिए प्रथम वर्ष का ब्याज 1000 रुपये होगा। प्रथम वर्ष की समाप्ति पर उधार लेने वाला 2000+1000 ब्याज लौटाएगा। इसलिए दूसरे वर्ष का मूल धन 8000 रुपये शेष बच जाएगा। दूसरे वर्ष का ब्याज 800 रुपये होगा, और इसी तरह से तीसरे, चौथे, और पांचवें वर्ष का ब्याज क्रमशः 600, 400, और 200 रुपये होगा। कुल ब्याज 3000 रुपये होगा। इसलिए उधार लेने वाले को 15,000 रुपये की तुलना में 13,000 रुपये लौटाने होंगे। इसलिए इस विधि से उधार लेने वाले को 2000 रुपये की बचत होगी।

III. परिणामः

प्रतिभागियों को एहसास हो जाता है कि कम होते हुए शेष विधि से उन्हें कम ब्याज देना होगा। इसलिए वे पुष्टि करेंगे कि कम होते हुए शेष विधि से लिया गया ऋण सस्ता होगा।

मुख्य संदेश

1) ब्याज लगाने की दो विधियां होती हैं–फ्लैट और कम होता हुआ ब्याज ।
2) ब्याज की फ्लैट विधि पूर्ण मूलधन पर पूर्ण अवधि के लिए ब्याज लेती है।
3) कम होता हुआ ब्याज विधि बकाया राशि पर ब्याज लेती है। यह विभिन्न आधार पर हो सकता है जैसे दिन, महिने या वर्ष। प्रायः बैंक दैनिक आधार पर कम होते हुए ब्याज की विधि को अपनाते हैं।
4) दोनों के बीच 40–50 प्रतिशत का अंतर होता है।

समझदारी से उधार लेना - V
अपने ऋण की लागत को जानें

ऋणों पर ब्याज

फ्लैट और कम होता हुआ ब्याज विधियां

एक उदाहरण

1. ब्याज की फ्लैट दर पर ऋण का भुगतान

भुगतान	प्रथम वर्ष	दूसरा वर्ष	तीसरा वर्ष	चौथा वर्ष	पांचवां वर्ष
मूलधन	₹2000/-	₹2000/-	₹2000/-	₹2000/-	₹2000/-
ब्याज	₹1000/-	₹1000/-	₹1000/-	₹1000/-	₹1000/-

मूलधन
कुल भगतान राशि 2000×5 + ₹ 5000/- ब्याज = 15000/-

2. कम होती ब्याज दर पर ऋण भुगतान

भुगतान	प्रथम वर्ष	दूसरा वर्ष	तीसरा वर्ष	चौथा वर्ष	पांचवां वर्ष
मूलधन	₹2000/-	₹2000/-	₹2000/-	₹2000/-	₹2000/-
ब्याज	₹1000/-	₹800/-	₹600/-	₹400/-	₹200/-

मूलधन
कुल भगतान राशि 2000X5 + 3000 ब्याज = 13000/–

बीमा और पेंशन -I

पोस्टर–12 को प्रयोग करने के लिए निर्देश

I. उद्देश्य:

व्यक्ति के जीवन में दुर्भाग्यशाली घटनाओं के वित्तीय प्रभावों और इसके लिए योजना बनाने की जरूरत के बारे में जागरुक बनाना।

II. चरण:

1. उन्हें पोस्टर दिखाएं और पूछें कि इस प्रकार की चीजें कैसे लोगों को प्रभावित करती हैं।
2. इस प्रकार की घटनाओं द्वारा प्रभावित परिवारों के वास्तविक जीवन के अनुभव सांझा करने के लिए कहें।
3. उनसे पूछें – क्या इस प्रकार के आपातकालों के लिए केवल बचत पर्याप्त होती है?
4. व्याख्या करें कि कैसे इस प्रकार की घटनाएं पूरी बचत को साफ कर देती हैं और उन्हें साहूकारों/ऋणदाताओं के पास जाने के लिए मजबूर कर देती हैं।
5. उनसे पूछें–क्या इस प्रकार की घटनाओं की तैयारी के लिए कोई विधि है?
6. प्रतिभागियों को अपने जीवन और सम्पत्तियों की सुरक्षा बीमा के माध्यम से करने की जरूरतों के बारे में बताएं जैसे:
   - चिकित्सा बीमा
   - दुर्घटना बीमा
   - फसल बीमा
   - जीवन बीमा
   - मवेशी बीमा
7. उन्हें विभिन्न प्रकार के बीमा के बारे में बताएं–स्वास्थ्य, लाइफ एवं नॉन–लाइफ (जनरल)। विभिन्न अवधारणाओं की व्याख्या करें जैसे पॉलिसी, मास्टर पॉलिसी, बीमित राशि, प्रिमियम , पॉलिसी की अवधि, रिन्यूअल एवं दावा, बंदोबस्त, नोमिनेशन

III. परिणाम:

प्रतिभागी इस प्रकार के आपातकालों के लिए सुरक्षा प्राप्त करने की आवश्यकता को जान पाते हैं।

मुख्य संदेश

1) दुखद घटनाएं जैसे बीमारी, दुर्घटनाएं, मृत्यु गरीब और अमीर दोनों के साथ घट सकती हैं, लेकिन इस प्रकार की घटनाओं का वित्तीय प्रभाव गरीब लोगों पर अधिक होता है।
2) कुछ अवसरों पर अप्रत्याशित और दुर्भाग्यशाली घटनाएं जीवन को बर्बाद कर देती हैं।
3) पहले से ही योजना बनाएं, सभी सम्पत्तियों का अप्रत्याशित घटनाओं के लिए बीमा करवाएं।
4) सामान्य रूप से उपलब्ध योजनाएं हैं जीवन बीमा, दुर्घटना बीमा, स्वास्थ्य बीमा, मवेशी बीमा और फसल बीमा।
5) विभिन्न प्रकार के बीमा जैसे मकान का बीमा, वाहन का बीमा, अग्नि बीमा, आदि लोकप्रिय हैं।

पोस्टर 12

दुखद घटनाओं के विरुद्ध बीमा

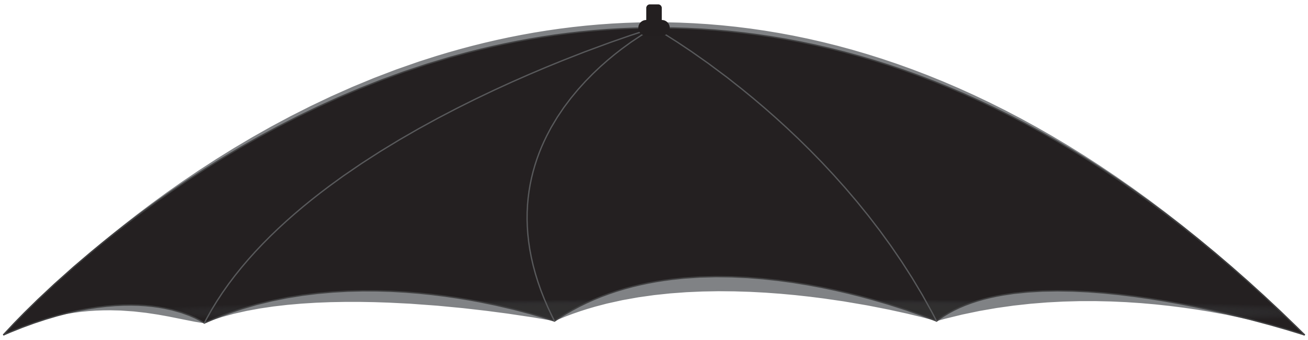

असामयिक मृत्यु के लिए
जीवन बीमा

दुर्घटनाओं में होने वाली हानि
के लिए बीमा

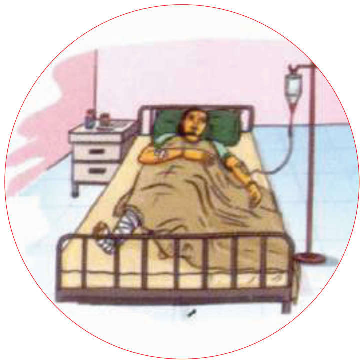

बीमारी के विरुद्ध स्वास्थ्य बीमा

लाइव स्टॉक की सुरक्षा के
लिए मवेशी बीमा

फसल की हानि के लिए
फसल बीमा

सम्पत्ति बीमा

बीमा के माध्यम से अपने आपकी सुरक्षा की आवश्यकता

बीमा और पेंशन - II

पोस्टर–13 को प्रयोग करने के निर्देश

I. उद्देश्य:

उन्हें विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के बारे में अवगत कराना जैसे बीमा और पेंशन जो गरीबों के लिए प्रीमियम में छूट पर उपलब्ध हैं

II. चरण:

1. उन सभी को चित्र दिखाएं
2. उन्हें नामों की पहचान करने / पढ़ने के लिए कहें
3. उनसे पूछें कि क्या किसी ने प्रदर्शित योजना में पंजीकरण कराया है।
4. संबंधित व्यक्तियों से यह बताने के लिए कहें कि वे इन योजनाओं के बारे में कितना जानते हैं।
5. साझा की गई सूचना में कुछ और जोड़ें और एक एक करके सभी योजनाओं की व्याख्या करें।

III. परिणाम:

प्रतिभागी निम्न को समझेंगे:

1. सामाजिक सुरक्षा योजना के लाभ
2. योजनाओं में कैसे शामिल हों
3. दुर्भाग्यशाली घटनाओं के मामले में किस प्रकार लाभ उठाएं

मुख्य संदेश

1) आयुष्मान भारत योजना (एबीवाई): यह गरीबों के लिए सरकार द्वारा सहायता प्राप्त बीमा योजना है। इसका प्रीमियम केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा भरा जाता है।
2) प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई): यह गरीबों के लिए सरकार द्वारा सहायता प्राप्त आवधिक बीमा पोलिसी है जिसके अंतर्गत मृत्यु होने पर 200000 रुपये का लाभ मिलता है और इसका प्रीमियम केवल 436 रुपये प्रति वर्ष है जिसे बैंक खाते के माध्यम से भरा जाता है। किसी भी कारण से होने वाली मृत्यु को इसमें शामिल किया जाता है।
3) प्रधान मंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई): यह गरीबो के लिए एक सरकार द्वारा सहायताप्राप्त दुर्घटना बीमा सुरक्षा योजना है जिसमें मृत्यु होने पर 200000 रुपये का लाभ मिलता है और स्थायी रूप से विकलांग होने पर 200000 / अथवा 100000 रुपये का लाभ प्राप्त होता है। इसका प्रीमियम केवल 20 रुपये है जो अपने आप बैंक खाते से चला जाता है।
4) अटल पेंशन योजना (एपीवाई): यह असंगठित क्षेत्र से 18 से 40 वर्ष की आयु के लोगों के लिए भारत सरकार द्वारा एक गारंटीशुदा न्यूनतम पेंशन योजना है। यह एक योगदान पेंशन योजना है जिसमें सरकार 50 प्रतिशत तक या अधिकतम 1000 रुपये प्रतिव्यक्ति प्रदान करती है। 60 वर्ष की आयु पूरी होने पर प्रति माह 1000 रुपये से 5000 रुपये तक पेंशन मिलती है जो उनके मासिक योगदान पर निर्भर है।

* इस योजना के बारे में और अधिक जानकारी पृष्ठ 39 से 42 पर दी गई है
* योजनाओं को समझाने से पहले प्रशिक्षकों को अच्छी तरह से अध्ययन करना है।

बीमा और पेंशन - II

पोस्टर 13

सामाजिक सुरक्षा योजनाएं
बीमा और पेंशन

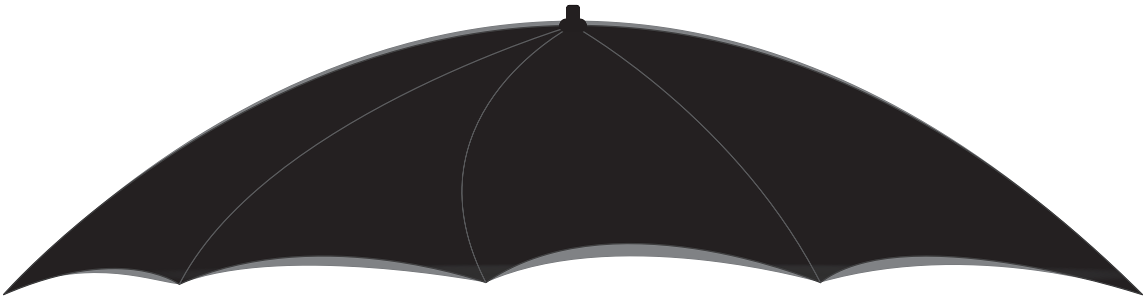

अपने परिवार की सुरक्षा करें

अपने बुढापे के लिए तैयारी करें

नई बैंकिंग आदतें - I

पोस्टर–14 को प्रयोग करने के लिए निर्देश

डिजिटल / कैशलेस बैंकिंग

I. उद्देश्य:

वास्तविक नकदी (कैरेंसी नोट) के बिना पैसे प्राप्त करने और भुगतान करने की विधियों के बारे में जागरुक बनाना
व्यक्ति को कैशलेस बैंकिंग के लाभों के बारे में बताना

II. चरण:

1. प्रतिभागियों से पूछें कि वे किन अवसरों पर / स्थानों पर / उद्देश्यों के लिए नकद रुपया लेकर जाते हैं। आमतौर पर वे बताएंगे कि वे दुकानों, पेट्रोल पम्पों, प्राइवेट अस्पतालों, आदि में नकद पैसा लेकर जाते हैं। अन्य स्थानों पर नकद रुपया ले जाने के खतरों के बारे में बताएं। उन्हें बताएं कि वे रुपे कार्ड का प्रयोग बिना नकदी को अपने साथ ले जाए भुगतान के लिए कर सकते हैं।
   कैशलेस लेनदेन करने के लिए उन्हें क्या करने की जरूरत है?
   कैसलेस लेनदेन करने के क्षेत्र:
   1) एईपीएस 2) डेबिट कार्ड 3) मोबाइल बैंकिंग 4) भीम एप

2. उन्हें बताएं कि परिवार के सदस्यों आदि को किसी भी स्थान पर बैंक खाते के माध्यम से फंड ट्रांसफर (एनईएफटी / आरटीजीएस) के द्वारा बैंक में आकर पैसा भेजा जा सकता है। यदि खाताधारक का मोबाइल फोन बैंक खाते के साथ जुड़ा है तो वह मोबाइल बैंकिंग के माध्मय से पैसा भेज सकता है या *99# डायल करके और प्राप्तकर्ता बैंक के खाते का नम्बर और आईएफएससी कोड बताकर पैसा भेज सकता है। (आईएमपीएस)
3. स्मार्ट फोन प्रयोग करने वाले लोग भीम एप को उनके रजिस्टर्ड मोबाइल नम्बर पर डाउनलोड कर सकते हैं और इसे उनके बैंक खातों के साथ जोड़ सकते हैं। भीम यूजर अन्य भीम यूजर्स को पैसा भेज सकते हैं, प्राप्त कर सकते हैं।
4. बताएं कि एक व्यक्ति अपने बैंक खाते में बिना नकद रुपये के पैसा भेज सकता है:–
   क) पैसा भेजने वाले व्यक्ति को बैंक खाता नम्बर और आईएफएससी कोड बता कर
   ख) अपना मोबाइल नम्बर बताकर मोबाइल के माध्मय से अपने बैंक खाते में
   ग) बैंक खाते के साथ आधार नम्बर जोड़ने के बाद अपना आधार नम्बर उस व्यक्ति / विभाग को बताकर जिससे पैसा प्राप्त करना है।
5. यूजर के लिए कैशलेस बैंकिंग के लाभ
   क) मनी ट्रांसफर (प्राप्ति और भुगतान तुरंत हो जाते हैं)
   ख) कोई कागजी कार्यवाही शामिल नहीं है
   ग) नकद ले जाने का कोई जोखिम नहीं है
   घ) लेनदेन बैंक खाते में इलेक्ट्रोनिक रूप में दर्ज हो जाता है।
   ड़) भेजने वाले और प्राप्तकर्ता को तुरंत मोबाइल पर मैसेज प्राप्त हो जाता है।
   च) लेनदेन किसी भी समय पर सुविधा के अनुसार यूजर द्वारा किया जा सकता है।

प्रशिक्षक को सलाह:
प्रशिक्षक को अपने स्मार्ट फोन पर भीम एप डाउनलोड करने और कुछ लेनदेन करने की सलाह दी जाती है जिससे कैशलेस लेनदेन करने के लाभों के बारे में उसमें आत्मविश्वास पैदा होगा और प्रतिभागियों को विश्वास होगा।

III. परिणाम:

प्रतिभागियों को कैशलेस लेनदेन करने और उन्हें मिलने वाले लाभों की जानकारी मिलती है।

नई बैंकिंग आदतें -।

पोस्टर 14

डिजिटल / कैशलेस बैंकिंग

बिना नकदी के पैसे का भुगतान करें

रुपे कार्ड

मोबाइल से पैसे का लेनदेन

भीम एप

बिना नकदी के पैसे प्राप्त करें

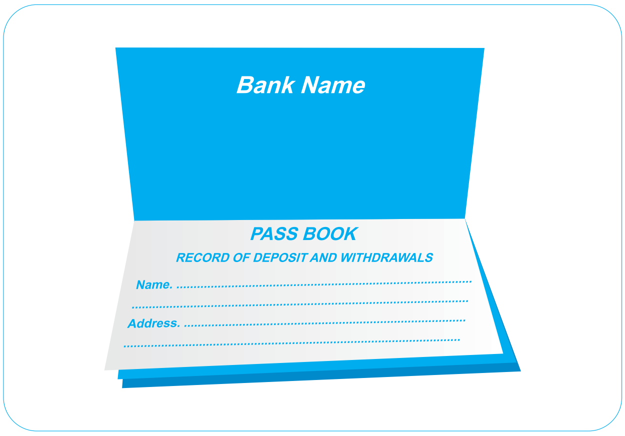

पास बुक

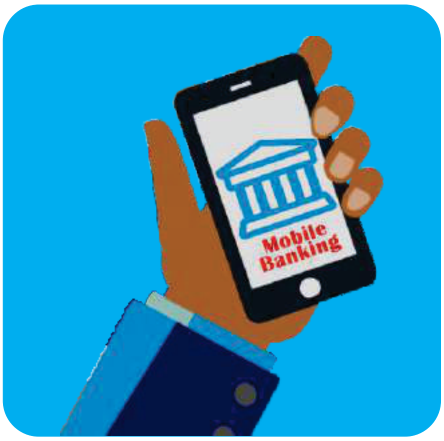

मोबाइल बैंकिंग

अपने आधार को बैंक खाते से जोड़ें

पोस्टर–15 को प्रयोग करने के लिए निर्देश

अपनी सुविधा के अनुसार बैंकिंग

I. उद्देश्य:

यह दिखाना कि ग्रामीण लोग अपने गांव में ही बैंक संबंधी लेनदेन कर सकते हैं।

यह समझाना कि वे किस प्रकार अन्य स्थानों पर बैंक संबंधी लेनदेन कर सकते हैं, जहां उन्हें आवश्यकता होती है, जैसे खण्ड/जिला/राज्य की राजधानियां/कस्बे/शहर।

II. चरण:

1. बैंक सखी के माध्यम से लेनदेन करने के निम्न लाभों के बारे में बताएं:
   - बैंक शाखा में जाने का समय और पैसा बच जाता है
   - दैनिक दिहाड़ी/आय का कोई नुकसान नहीं होता
   - मशीन उनके लेनदेन के बारे में उनकी स्थानीय भाषा में बोलकर बताती है
   - तुरंत रसीद प्रिंट होती है/निकल कर आती है
   - बैंक में रजिस्टर्ड मोबाइल नम्बर पर तुरंत मैसेज आता है

सहायक को सलाह:

इस गतिविधि के लिए स्थानीय बिजनेस प्रदाता को बुलाना आदर्श रहता है, उसका परिचय स्वयं सहायता समूह के सदस्यों से करवाएं और वास्तविक लेनदेन करके दिखाएं।

2. एटीएम का प्रयोग करते समय सावधानियां
   क) किसी को भी एटीएम पिन न बताएं
   ख) स्वयं ही एटीएम कार्ड का प्रयोग करें
   ग) प्रतिभागियों को बताएं कि "बैंक कभी भी फोन पर एटीएम के बारे में विवरण नहीं मांगते"।
3. पोस्टर 14 में दिखाई गई मशीनें दिखाएं। बताएं कि बहुत से बैंकों ने इस प्रकार की मशीनें मुख्य शहरों में मुख्य स्थानों पर लगाई हैं।
4. एक एक करके इन मशीनों के उद्देश्य और प्रयोग के बारे में बताएं।
5. उन्हें बताएं कि बैंकिंग लेनदेन जैसे नकद जमा अैर पास बुक प्रिंट जैसे कार्य उसी बैंक में इन मशीनों द्वारा करवाए जा सकते हैं जहां पर उनका खाता होता है। वे अपने रुपे कार्ड उनके बैंक एटीएम में प्रयोग करके नकद रुपया निकाल सकते हैं। नकद रुपया अन्य बैंकों के बैंक एटीएम से भी निकाला जा सकता है लेकिन इससे ग्राहक के खाते से सर्विस शुल्क कट जाता है।
6. जब नकद जमा कराया जाता है या निकाला जाता है ग्राहक के मोबाइल में तुरंत मैसेज आ जाता है।

सहायक/सीआरपी को सलाह

सहायक/सीआरपी को इन मशीनों में अपने व्यक्तिगत लेनदेन करने और इन मशीनों से परिचित होने की सलाह दी जाती है इससे पहले कि वे प्रतिभागियों को इनके बारे में बताएं।

III. परिणाम:

प्रतिभागियों को अपनी सुविधा के अनुसार बिजनेस प्रदाता, नकद जमा मशीनों, एटीएम और पास बुक प्रिंटिंग मशीन के माध्यम से लेनदेन करने के लाभों का ज्ञान हो जाता है।

पोस्टर 15

अपनी सुविधा के अनुसार बैंकिंग

1. नकद जमा मशीन

2. एटीएम में नकद पैसा निकालना

3. पासबुक प्रिंट करना

अच्छी बैंकिंग आदतें

सांप और सीढी का खेल

I. उद्देश्यः

1. उनके द्वारा अब तक सीखी गई वित्तीय साक्षरता के सिद्धांतों का पुनर्बलन करना
2. वित्तीय साक्षरता की ध्यान देने योग्य बातों एवं ध्यान देने योग्य बातों को स्वयं सीखने में उन्हें सक्षम बनाना

आवश्यक सामग्री

1. सांप और सीढ़ी बोर्ड, 10×10 फीट आकार के फ्लेक्स पर कवर पेज के अंदर दिए गए पोस्टर के अनुसार।
2. दो पांसे

प्रक्रियाः

1. प्रतिभागियों में से तीन–तीन लोगों की दो टीमें बनाएं।
2. प्रत्येक टीम में एक व्यक्ति बोर्ड पर खड़ा हो जाएगा–शुरूआती बिंदु पर और एक प्यादे (खिलाड़ी) की तरफ चलेगा। दूसरा व्यक्ति (सहायक) पांसा फेंकेगा। तीसरा व्यक्ति (स्कोरकर्ता) खेल के शुरू से अंत तक फेंके गए पांसों की संख्या को गिनेगा।
3. खिलाड़ी को सहायक द्वारा फेंके गए पांसे के अनुसार आगे बढना है जैसा कि नीचे दिखाया गया हैः

पांसे पर आने वाली संख्या	खिलाड़ी को चलना है
1	1 ब्लॉक
2	2
3	3
4	4
5 (-4)	1
6 (-4)	2

4. यदि खिलाड़ी सीढी पर आ जाता है तो उसे उस पर चढना है। यदि खिलाड़ी सांप के मूंह पर आ जाता है तो वह नीचे चला जाएगा।
5. एक खिलाड़ी जो सबसे पहले 100वें ब्लॉक पर पहूंच जाता है वह विजेता होता है और जो बाद में 100वें ब्लॉक पर पहूंचता है वह रनर अप होता है। यह खेल दूसरे खिलाड़ी के 100वें स्थान पर पहूंचने तक जारी रहेगा।
6. प्रशिक्षक को बताना है कि किस प्रकार एक अच्छा बैंकिंग व्यवहार सीढ़ी के प्रतीक के रूप में एक खिलाड़ी को ऊपर ले जाता है। खिलाड़ी द्वारा छूई जाने वाली प्रत्येक सीढी की व्याख्या करने करने की जरूरत है।
7. सांप खराब बैंकिंग आदतों का प्रतीक हैं।
8. सहायक को पूरी खेल प्रक्रिया के दौरान सक्रिय रहना है और सुनिश्चित करना है कि टिप्पणीकर्ता सीढी (क्या करना है) के अच्छे प्रभावों को और सांप (क्या नहीं करना है) की हानियों के बारे में बताए।
9. दोनों के 100 पर पहुंचते ही खेल समाप्त होगा। अवलोकनकर्ताओं को अपनी टिप्पणियां करनी हैं कि खेल कैसा चला और सीखने के बिंदु कौनसे हैं।
10. सहायक को सदस्यों से पूछना है जो टीम के रूप में खेल रहे थे, कि खेल को खेलते समय उन्हें कैसा लगा।

खेल के बादः सहायक को सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद करना है और निम्न अधिगम बिंदुओं का सारांश प्रस्तुत करना हैः

1. सीढियां अच्छी आदतों / जो करना है, का प्रतीक हैं और सांप बुरी बैंकिंग आदतों / जो नहीं करना है का प्रतीक हैं।
2. जो व्यक्ति सही कार्य करता है उसे वित्तीय सुधार का लक्ष्य पहले या जल्दी प्राप्त होगा। जो व्यक्ति अवांछित व्यवहार करता है उसे उन्नति से वापिस खींच जाएगा और लक्ष्य प्राप्त होने में उसे देरी होगी।
3. जो व्यक्ति कोई अवांछित व्यवहार अनजाने में करता है, लेकिन उसके पास और अधिक अच्छे कार्य करके और बुरे कार्यों से बचकर आगे बढने का अवसर होता है।
4. सांप और सीढ़ी का खेल वित्तीय साक्षरता का सम्पूर्ण संदेश देता है और व्यक्ति की उन्नति का रास्ता दिखाता है।

अधिगम बिंदु

प्रशिक्षक द्वारा निम्न बिंदु समूह के सामने जोर से दोहराने हैं

सीढियां

कहां से कहां तक	प्रक्रिया	संदेश
7 से 24	बैंक खाता खोलना	बैंक खाता खोलना आर्थिक विकास की ओर ले जाता है बैंक खाता खोलकर हम अपने पैसे को सुरक्षित रख सकते हैं। यह वित्तीय योजना बनाने में भी सहायता करता है
13 से 35	आधार से जुड़ा बैंक खाता	सरकार के लाभों को सीधा बैंक में स्थानांतरित किया जा सकता है आधार का प्रयोग करते हुए पैसा निकाला जा सकता है, भुगतान किया जा सकता है और भेजा जा सकता है आधार का प्रयोग स्मार्ट फोन में पे और भीम एप में किया जा सकता है
2o से 39	रुपे कार्ड लेना	किसी भी दिन किसी भी समय पर पैसा निकाला जा सकता है दुकानों, पेट्रोल पम्पों, अस्पतालों आदि पर खरीद और सेवाओं के लिए भुगतान किया जा सकता है, जिसके लिए नकदी की जरूरत नहीं है
30 से 52	बैंक खाते में लेनदेन	इससे बचत की आदतें पैदा होती हैं इससे बैंक और स्टाफ के साथ संबंध स्थापित करने में सहायता मिलती है इससे प्राप्त हुए या खर्च हुए पैसे का रिकॉर्ड दर्ज हो जाता है
44 से 63	पीएमजेजेबीवाई और पीएमएसबीवाई योजनाओं में शामिल होना	इससे परिवार को दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं में सहायता मिलती है इससे बैंक खाते में लेनदेन में सहायता मिलती है
51 से 71	कौशल विकास प्रशिक्षण	यह सकारात्मक दृष्टिकोण का विकास करने, आवश्यक कौशलों को सीखने और ज्ञान प्राप्त करने में सहायता करता है यह एक विशेष कार्य को करने और स्वयं रोजगार उपक्रम को स्थापित करने में सहायता करता है यह आय पैदा करने वाली गतिविधि को प्रबंधित करना सीखने में सहायता करता है
59 से 80	अटल पेंशन योजना खाता खोलना	यह नियमित अनिवार्य बचत में सहायता करता है यह बैंक खाते में लेनदेन को बढावा देता है यह बुढापे में नियमित आय प्राप्त करने में सहायता करता है व्यक्ति की मृत्यु के बाद परिवार को एक मुश्त पैसा मिलता है
65 से 87	आय पैदा करने वाली गतिविधि के लिए ऋण	यह जीवन यापन और उत्पादक सम्पत्तियों को खरीदने का मार्ग तैयार करता है। यह एक व्यक्ति की क्षमताओं और समय को लाभ के लिए प्रयोग करने में सहायता करता है।

72 से 93	ऋण की राशि का उचित उपयोग	यह ऋण के पुनर्भुगतान को सुनिश्चित करता है यह बैंक का ऋण प्राप्त कर्ता में विश्वास बढाता है यह अतिरिक्त आय प्रदान करता है
77 से 98	नियमित कर्ज भुगतान	यह बोझ को कम करता है, यह आत्म विश्वास को बढाता है यह अधिक क्रेडिट स्कोर देता है, यह ऋण लेने के अवसरों को बढाता है और जीवन शैली में सुधार करता है
84 से 97	ऋण को अपडेट करना/पुनर्परिभाषित करना	यह सही पुनर्भुगतान रिकॉर्ड को निर्धारित करने का अवसर प्रदान करता है यह जुर्माने और कानूनी कार्यवाही/नोटिस से बचाता है

अधिगम बिंदु

साँप

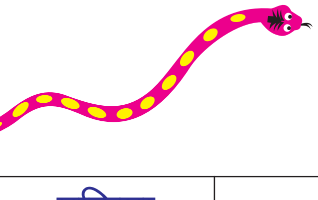

कहां से कहां तक	प्रक्रिया	संदेश
34 से 4	बैंक में कोई लेनदेन नहीं	बैक खाता खोलने का कोई उद्देश्य नहीं रहता बैंक के साथ कोई संबंध नहीं रहता जब आवश्यकता हो तो बैंक के साथ लेनदेन करने में कठिनाई होगी
41 से 17	रुपे कार्ड का प्रयोग न करना	यह नकदी पर निर्भर रहने को मजबूत करता है लेनदेन केवल बैंक समय में ही किया जा सकता है
62 से 25	बचत बैंक खाता न होना	व्यक्ति में बचत की आदतों का अभाव यदि ऋण की मंजूरी मिल जाती है तो किस्तें नियमित आधार पर नहीं भरी जा सकेंगी बैंक से ऋण प्राप्त करने के अवसर खो जाते हैं
70 से 36	एक से अधिक ऋण लेना	मासिक किस्त भरने में कठिनाई आती है किस्तों भरने में चूक करने पर पैनल ब्याज लगता है इससे मानसिक तनाव होता है
74 से 48	ऋण का गलत प्रयोग	किस्त भरने के लिए अतिरिक्त पैसा नहीं होता सम्पत्ति का निर्माण नहीं होता बैंक का कर्जदार में विश्वास खत्म हो जाता है इससे कानूनी/पुलिस कार्यवाही का सामना करना पड़ता है
79 से 29	किस्त भरने में चूक	यदि एक किस्त का प्रयोग गलत हो जाता है तो अगली बार दो किस्त भरने का बोझ पड़ जाता है पुनः भुगतान करने में कठिनाई बढेगी, जुर्माना लग सकता है अनियमित भुगतान करने से आगे ऋण लेने के लिए आयोग्य हो जाता है और उसका क्रेडिट स्कोर खराब हो जाता है
85 से 45	बैंक में न जाना	चूककर्ता बैंक में जाने से बचता है उसे बैंक अधिकारियों को स्पश्टीकरण देने का अवसर नहीं मिलता और उनसे परामर्श नहीं ले पाता रिफेजमेंट के अवसर खो जाते हैं
91 से 73	बैंक के साथ कोई लेनदेन नहीं	ऋण नोन–परफोर्मिंग एसेट (एनपीए) बन जाता है कर्जदार डिफॉल्टर बन जाता है बैंक कानूनी कार्यवाही करता है
95 से 67	एक ऋण से दूसरा ऋण चुकाना	पहला ऋण उचित प्रकार से उपयोग नहीं होता दूसरा ऋण भी इसी तरह से व्यर्थ हो सकता है कर्जदार कर्ज के जाल में फंस जाता है

सांप और सीढ़ी बोर्ड

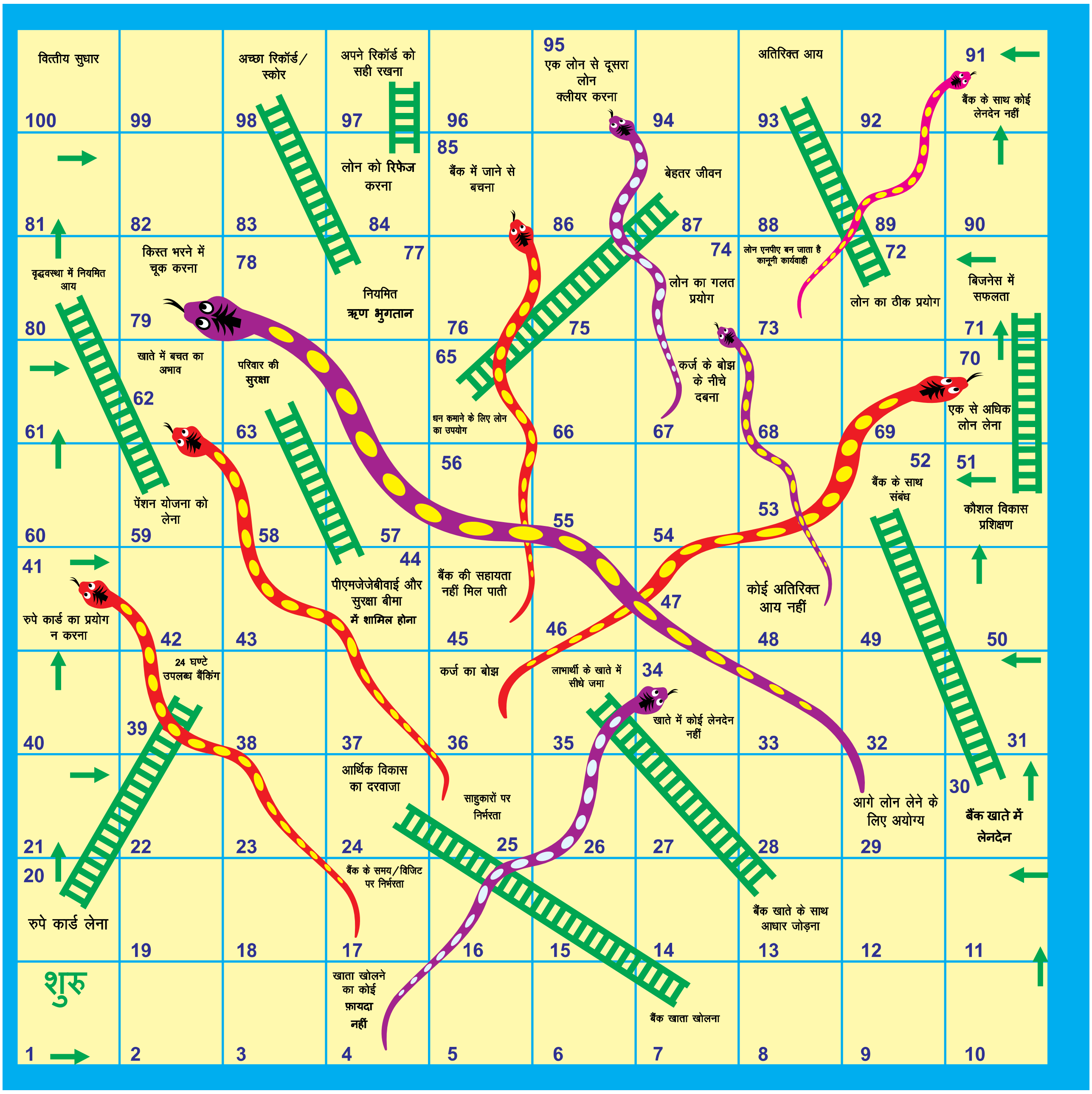

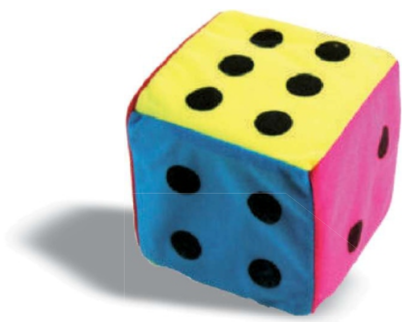

प्रशिक्ष सांप और सीढी का खेल खेलते हुए

Ayushman Bharat
Keep with your Health, Save your Wealth

आयुष्मान भारत
एक राष्ट्रीय स्वास्थ्य सुरक्षा योजना है

यह 10 करोड़ लोगों और जोखिम में रहने वाले परिवारों को शामिल करेगी और अस्पताल में द्वितीय व तृतीयक देखभाल के लिए प्रति परिवार 5 लाख रुपये की सुरक्षा प्रदान करेगी।

विशेषताएं

- आयुष्मान भारत–राष्ट्रीय स्वास्थ्य सुरक्षा मिशन प्रति परिवार प्रतिवर्ष 5 लाख रुपये का निर्धारित लाभ प्रदान करेगा।
- योजना के लाभ–पूरे देश में उपलब्ध और लाभार्थी परिवार के सदस्यों को इस योजना के अंतर्गत देश के किसी भी सरकारी/प्राइवेट अस्पतालों में कैसलेस अस्पतालीकरण का लाभ लेने की अनुमति होगी।
- अयुष्मान भारत–राष्ट्रीय स्वास्थ्य सुरक्षा मिशन अधिकार आधारित योजना होगी।
- उपचार के लिए सभी भुगतान पैकेज रेट के आधार पर किए जाएंगे (जिन्हें सरकार द्वारा पहले से पारिभाषित किया जाना है)।
- राज्यों के पास राज्य स्वास्थ्य अभिकरण (एसएचए) का होना आवश्यक है ताकि इस योजना को लागू किया जा सके।
- नीति आयोग की हिस्सेदारी से एक मजबूत, प्रामाणिक, मापनीय और अंतःप्रचालनीय आईटी प्लेटफॉर्म को सक्रिय बनाया जाएगा जो कागज रहित, नकदी रहित लेनदेन वाला होगा।

शामिल खर्च

- प्रीमियम भुगतान पर आने वाले खर्च को केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा सांझा किया जाएगा।

योग्यताएं

- सामाजिक–आर्थिक जनगणना आंकड़ों में गरीब और वंचित परिभाषित लोग योग्य होंगे

Pradhan Mantri Jeevan Jyoti Bima Yojana

प्रधान मंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई)

योजना का विवरणः

- यह एक बीमा योजना है जो किसी भी कारण से व्यक्ति की मृत्यु के लिए जीवन बीमा सुरक्षा प्रदान करती है
- प्रतिभागी बैंक के सभी खाता धारक जिनकी आयु 18 से 50 वर्ष के बीच है इसके योग्य हैं।
- सुरक्षा की अवधि प्रति वर्ष 1 जून से 31 मई तक है।
- लाभः किसी भी कारण से सदस्य की मृत्यु पर 2 लाख रुपये का भुगतान।
- प्रीमियम : प्रति सदस्य प्रतिवर्ष 436 रुपये।
- यह पोलिसी बैंक के द्वारा एक मास्टर पोलिसी के रूप में है और इसका प्रशासन एलआईसी/अन्य कम्पनियों द्वारा किया जाता है।
- प्रवेश की आयु 50 वर्ष है और सुरक्षा 55 वर्ष तक है।
- पोलिसी धारक के पास किसी बैंक का खाता होना चाहिए और 436 रुपये प्रतिवर्ष प्रीमियम भुगतान प्रत्येक वर्ष मई में बैंक खाते से हो जाता है।
- पोलिसी धारक को अपने खाते में आवश्यक बैलेंस रखने की आवश्यकता है।
- यदि कोई दावा है तो उसे संबंधित बैंक में अनिवार्य रूप से जमा कराना होता है।

प्रधान मंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई)

योजना का विवरणः

- यह एक दुर्घटना बीमा योजना है जो दुर्घटना के कारण मृत्यु और विकलांगता के लिए सुरक्षा प्रदान करती है।
- इसका संचालन बैंकों के सहयोग से पब्लिक/प्राइवेट सेक्टर की जनरल इशोरेंस कम्पनियों के माध्यम से किया जाता है।
- 18 से 70 वर्ष की आयु के सभी बचत बैंक खाता धारक।
- यह सुरक्षा प्रतिवर्ष 1 जून से 31 मई के बीच होगी।

लाभः निम्न टेबल के अनुसारः

	लाभों की सारणी	बीमित राशि
क.	मृत्यु	2 लाख रुपये
ख.	दोनों आंखे पूरी तरह खो जाने या दोनों हाथों के पूरी तरह खो जाने या दोनों पैरों या एक आंख और हाथ या पैर का प्रयोग करने में अयोग्य होने पर	2 लाख रुपये
ग.	एक आंख या एक हाथ या पैर का प्रयोग करने के लिए अयोग्य हो जाने पर	1 लाख रुपये

प्रीमियम : 20 रुपये प्रतिवर्ष प्रति सदस्य। इसे बैंक के खाते से मई माह के दौरान बैंक खाते से काटा जाएगा।

मास्टर पोलिसी होल्डरः बैंक मास्टर पोलिसी होल्डर होगा।

1) दी जाने वाली पावती को पावती और बीमा प्रमाणपत्र में सलंग्न किया जाएगा

2) दावों को संबंधित बैंक खातों के माध्यम से जमा करना है। यदि कोई अप्रिय घटना होती है तो तुरंत बैंक शाखा में आएं।

Atal Pension Yojana

अटल पेंशन योजना

- भारत सरकार ने यह न्यूनतम गारंटीशुदा पेंशन योजना असंगठित क्षेत्र के 18 से 40 वर्ष के बीच आयु के श्रमिकों के लिए शुरू की है।
- निर्धारित पेंशन की रेंज 1000 रुपये से 5000 रुपये के बीच है जो प्रवेश की आयु और चुने गए प्रीमियम की राशि के अनुसार है।
- सब्सक्राइबर के पास एक बैंक खाता होना चाहिए और भारत सरकार कुल योगदान का 50 प्रतिशत या प्रतिवर्ष 1000 रुपये, जो भी कम हो, देती है।
- सब्सक्राइबर को प्रीमियम का नियमित भुगतान करना चाहिए और भुगतान में देरी करने पर जुर्माना लगता है।
- भुगतान में अनियमितता करने पर छह महिने में फ्रिज किया जा सकता है, 12 महिने में खाता निश्क्रीय किया जाता है और 24 महिने तक भुगतान न करने पर खाता बंद किया जा सकता है।
- सब्सक्राइबर अपने खाते का नामित नियुक्त कर सकते हैं और यदि आवश्यक हो तो बदल सकते हैं।
- वे बैंकों के साथ अपना मोबाइल नम्बर रजिस्टर कर सकते हैं और सूचना एसएमएस के माध्यम से प्राप्त कर सकते हैं।

60 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर सब्सक्राइबर को उसकी सब्सक्रिप्शन राशि और प्रवेश के समय आयु के अनुसार मासिक गारंटीशुदा पेंशन मिलेगी। कुछ उदाहण नीचे दिए गए हैं:

प्रवेश के समय आयु	योगदान के वर्ष	संकेतात्मक मासिक योगदान (रु. में)	सब्सक्राइबर और उसके जीवनसाथी को मासिक पेंशन	सब्सक्राइबर के नामित व्यक्ति को दिए जाने वाला संकेतात्मक रिटर्न
18	42	42	1,000	1.7 लाख
20	40	50	1,000	1.7 लाख
25	35	76	1,000	1.7 लाख
30	30	116	1,000	1.7 लाख
35	25	181	1,000	1.7 लाख
40	20	291	1,000	1.7 लाख

प्रवेश के समय आयु	योगदान के वर्ष	संकेतात्मक मासिक योगदान (रु. में)	सब्सक्राइबर और उसके जीवनसाथी को मासिक पेंशन	सब्सक्राइबर के नामित व्यक्ति को दिए जाने वाला संकेतात्मक रिटर्न
18	42	84	2,000	3.4 लाख
20	40	100	2,000	3.4 लाख
25	35	151	2,000	3.4 लाख
30	30	231	2,000	3.4 लाख
35	25	362	2,000	3.4 लाख
40	20	582	2,000	3.4 लाख

प्रवेश के समय आयु	योगदान के वर्ष	संकेतात्मक मासिक योगदान (रु. में)	सब्सक्राइबर और उसके जीवनसाथी को मासिक पेंशन	सब्सक्राइबर के नामित व्यक्ति को दिए जाने वाला संकेतात्मक रिटर्न
18	42	126	3,000	5.1 लाख
20	40	150	3,000	5.1 लाख
25	35	226	3,000	5.1 लाख
30	30	347	3,000	5.1 लाख
35	25	543	3,000	5.1 लाख
40	20	873	3,000	5.1 लाख

प्रवेश के समय आयु	योगदान के वर्ष	संकेतात्मक मासिक योगदान (रु. में)	सब्सक्राइबर और उसके जीवनसाथी को मासिक पेंशन	सब्सक्राइबर के नामित व्यक्ति को दिए जाने वाला संकेतात्मक रिटर्न
18	42	168	4,000	6.8 लाख
20	40	198	4,000	6.8 लाख
25	35	301	4,000	6.8 लाख
30	30	462	4,000	6.8 लाख
35	25	722	4,000	6.8 लाख
40	20	1164	4,000	6.8 लाख

प्रवेश के समय आयु	योगदान के वर्ष	संकेतात्मक मासिक योगदान (रु. में)	सब्सक्राइबर और उसके जीवनसाथी को मासिक पेंशन	सब्सक्राइबर के नामित व्यक्ति को दिए जाने वाला संकेतात्मक रिटर्न
18	42	210	5,000	8.5 लाख
20	40	248	5,000	8.5 लाख
25	35	376	5,000	8.5 लाख
30	30	577	5,000	8.5 लाख
35	25	902	5,000	8.5 लाख
40	20	1,454	5,000	8.5 लाख

परिशिष्ट - I

वित्तीय साक्षरता पर कुछ प्रश्न

प्रशिक्षुओं से निम्न प्रश्न पूछें

1. निम्न में से कौनसा आपके या आपके परिवार की पिछले वष की व्यक्तिगत आय को दर्शाता है?
   - क. 36000 से कम
   - ख. 36000–50000
   - ग. 50001–1 लाख
   - घ. 1 लाख से अधिक

2. गरीबी के क्या कारण हैं?
   - क. कम आय
   - ख. कम बचत
   - ग. अचानक आपदा, मृत्यु, बाढ़, सूखा आदि
   - घ. उपरोक्त सभी

3. व्यक्तिगत वित्तीय नियोजन में शामिल है
   - क. एक पर्याप्त रिकॉर्ड को स्थापित करना
   - ख. खर्च को कम करना
   - ग. भावी वित्तीय आवश्यकताओं और लक्ष्यों के लिए योजनाएं तैयार करना
   - घ. उपरोक्त सभी

4. मान लीजिए आप आप बीसवें वष के प्रारंभ में हैं और आप अगले 30 वर्ष में एक सुरक्षित सेवानिवृत्त बनाना चाहते हैं। आपकी योजना में निम्न में से कौनसा उपागम शामिल नहीं होना चाहिए?
   - क. कम आय
   - ख. कम बचत
   - ग. अधिक खर्च
   - घ. उपरोक्त सभी

5. आप अधिक खर्च कर रहे हैं यदि
   - क. आप अपने खाते में जमा मे अधिक राशि का चेक देते हैं
   - ख. आपकी मासिक आय 3,000 रुपये है और आप 3,500 रुपये खर्च कर रहे हैं
   - ग. आपको प्रायः कर्जदार कॉल करते हैं
   - घ. आपका मासिक ऋण भुगतान आपकी शुद्ध आय का 30 प्रतिशत से कम है

6. बचत की आवश्यकता क्यों होती है?
   - क. भविष्य की विशेष आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए जैसे शादी, बीमारी आदि।
   - ख. दुर्घटना जैसी आकस्मिक घटनाओं में भुगतान करने के लिए
   - ग. अल्प अवधि की आकस्मिक आवश्यकताओं के कारण अनावश्यक ऋणो से बचने के लिए
   - घ. उपरोक्त सभी

7. यदि कोई आपको तुरंत काफी पैसा बनाने का अवसर प्रदान करता है तो आपका बहुत अधिक पैसा खोने की संभावना भी है।
   - क. सत्य
   - ख. असत्य
   - ग. पता नहीं
   - घ. कह नहीं सकते

8. मान लो आप 1000 रुपये अपने बचत खाते में डालते हैं जहां 5 प्रतिशत प्रतिवर्ष साधारण ब्याज की गारंटी है। दूसरे वर्ष के अंत में आपके पास कितना रुपया होगा?
   - क. 1100 से अधिक
   - ख. पूरे 1100 रुपये
   - ग. 1100 से कम
   - घ. पता नहीं

9. मान लो आप 1000 रुपये 5 प्रतिशत वार्षिक चक्रवृद्धि ब्याज की दर की गारंटी के साथ जमा कराते हैं। दूसरे वर्ष के अंत में आपको कितना पैसा मिलेगा?

क. 1100 रुपये से अधिक
ख. पूरे 1500 रुपये
ग. 1500 रुपये से कम
घ. पता नहीं

10. जरूरत और इच्छा में क्या अंतर है?

क. एक जरूरत वह होती है जो जीवन के लिए अनिवार्य होती है
ख. एक इच्छा वह होती है जो अनिवार्य नहीं होती
ग. दोनों सही हैं
घ. इनमें से कोई सही नहीं है

11. जब दो वस्तुओं में यह निर्णय करना हो कि कौनसी खरीदें, तो व्यक्ति को हमेशाः

क. वह वस्तु खरीदनी चाहिए जिसकी कीमत कम है
ख. वह वस्तु खरीदनी चाहिए जिसमें लाभ बहुत अधिक हैं
ग. दोनों वस्तुओं की लागत और लाभों की तुलना करने के बाद वह वस्तु खरीदनी चाहिए
घ. पता नहीं

12. निम्न में से कौनसा एक गैर–आवश्यक खर्च है?

क. स्कूल की फीस
ख. शराब
ग. सुंदर कपड़े
घ. यात्राएं

13. कर्ज के बोझ के लिए कौनसे कारण हैं?

क. अनुत्पादक उद्देश्य के लिए उधार लेना
ख. उच्च लागत पर साहुकारों से उधार लेना
ग. सूखा/बाढ़ और फसल, पशु जैसी सम्पत्तियों की हानि जैसी प्राकृतिक आपदाएं
घ. उपरोक्त सभी

14. व्यक्तिगत वित्तीय साक्षरता आपकी सहायता कर सकती हैः

क. वित्तीय घोटालों के शिकार बनने से बचने में
ख. आपदाओं के जोखिम से अपनी सुरक्षा करने के लिए सही बीमा खरीदने में
ग. अपनी भावी आवश्यकताओं के लिए सही निवेश करना सीखने में
घ. उपरोक्त सभी करने में

15. आपको अपनी सीमाओं के अंदर उधार क्यों लेना चाहिए?

क. अपनी सीमाओं से अधिक उधार लेना आपको कर्ज में फंसा देगा और इससे बाहर निकलना कठिन होगा
ख. जब आप अपनी क्षमता से बाहर उधार ले लेते हैं तो ऋण को चुकाना कठिन होता है
ग. सीमाओं के अंदर उधार लेना आपके क्रेडिट स्कोर को बनाने में सहायक होता है
घ. उपरोक्त सभी

16. आपको केवल बैंक से उधार क्यों लेना चाहिए?

क. ब्याज की दर कम होती है
ख. व्यवहार में पारदर्शिता होती है
ग. भुगतान में आसानी होती है
घ. उपरोक्त सभी

17. आपको प्राइवेट साहुकारों से उधार क्यों नहीं लेना चाहिए?

क. साहुकार अनैतिक और गैर कानूनी कार्य करते हैं
ख. ब्याज पर फ्लैट रेट लिया जाता है
ग. छोटी सी चूक करने पर भी सम्पत्तियां कुर्क हो जाती हैं

घ. उपरोक्त सभी

18. कम होता हुआ ब्याज विधि किसके लिए लाभकारी है –

क. उधार लेने वाले के लिए
ख. बैंक के लिए
ग. गारंटी देने वाले के लिए
घ. सह देनदार के लिए

19. फ्लैट ब्याज दर विधि किसके लिए लाभकारी है

क. उधार लेने वाले के लिए
ख. ऋणदाता के लिए
ग. गारंटी देने वाले के लिए
घ. सह–देनदार के लिए

20. यदि निम्न में से प्रत्येक व्यक्ति की वार्षिक आय समान थी, तो किसे अधिकतम बीमा राशि की आवश्यकता होगी?

क. एक युवा विधवा जिसके दो बच्चे हैं
ख. एक युवा अकेली महिला जिसके बच्चे नहीं हैं
ग. एक वृद्ध सेवानिवृत पुरुष जिसकी पत्नी सेवानिवृत है
घ. एक युवा विवाहित पुरुष जिसके बच्चे नहीं हैं

21. स्वास्थ्य बीमा हैः

क. केवल उन लोगों के लिए जो बीमार होते हैं
ख. एक अनावश्यक खर्च है क्योंकि आपको इसकी जरूरत नहीं है
ग. आपकी बचत के लिए एक अनिवार्य आइटम है
घ. पुरुषों की अपेक्षा महिलाओं के लिए अधिक आवश्यक है

22. बीमा खरीदने का मुख्य उद्देश्य हैः

क. आपको हाल ही में हुए नुकसान से बचाने के लिए
ख. आपको उत्कृष्ट निवेश आय प्रदान करने के लिए
ग. एक भावी हानि से बचाने के लिए
घ. नकली दावों की भरपाई करके आपकी जीवन शैली में सुधार करने के लिए

23. माइक्रो बीमा का अर्थ है

क. गरीब लोगों के लिए
ख. ग्रामीण क्षेत्रों के लिए
ग. छोटी राशि शामिल होती है
घ. उपरोक्त सभी

24. कृषि संबंधी बीमा हैं

क. फसल बीमा
ख. लाइव स्टॉक बीमा
ग. क और ख दोनों
घ. इनमें से कोई नहीं

25. पेंशन योजनाओं की आवश्यकता किसके लिए होती है

क. कर्मचारी
ख. श्रमिक
ग. व्यापारी
घ. सभी लोगों के लिए

परिशिष्ट - II

उत्तर

1. (उत्तरः ......)
2. घ. उपरोक्त सभी
3. घ. उपरोक्त सभी
4. घ. उपरोक्त सभी
5. घ. आपका मासिक ऋण भुगतान आपकी शुद्ध आय का 30 प्रतिशत से कम है
6. घ. उपरोक्त सभी
7. क. सत्य
8. ख. पूरे 1100 रुपये
9. क. 1100 रुपये से अधिक
10. ग. दोनों सही हैं
11. ग. दोनों वस्तुओं की लागतों और लाभों की तुलना के बाद एक वस्तु का चुनाव करें
12. क. स्कूल फीस
13. घ. उपरोक्त सभी
14. घ. उपरोक्त सभी
15. घ. उपरोक्त सभी
16. घ. उपरोक्त सभी
17. घ. उपरोक्त सभी
18. क. उधार लेने वाला
19. ख. ऋणदाता
20. क. एक युवा विधवा जिसके दो बच्चे हैं
21. ग. आपके बजट के लिए अनिवार्य वस्तु
22. ग. आपको एक भावी हानि से बचाता है
23. घ. उपरोक्त सभी
24. ग. क और ख दोनों
25. घ. सभी लोगों के लिए

GRAM SATHI

GRAM SATHI

Village - Bishanpur Thari, Near Dubey Baba Mandir, Post-Malhara, Via Dahijor, Block-Mohanpur,District-Deoghar,Pin Code-814157 (Jharkhand)

Not for Sale | For Internal Circulation Only